नवंबर (प्रथम) 2021 | ₹ 35.00

चंपक

R

Let's Celebrate!

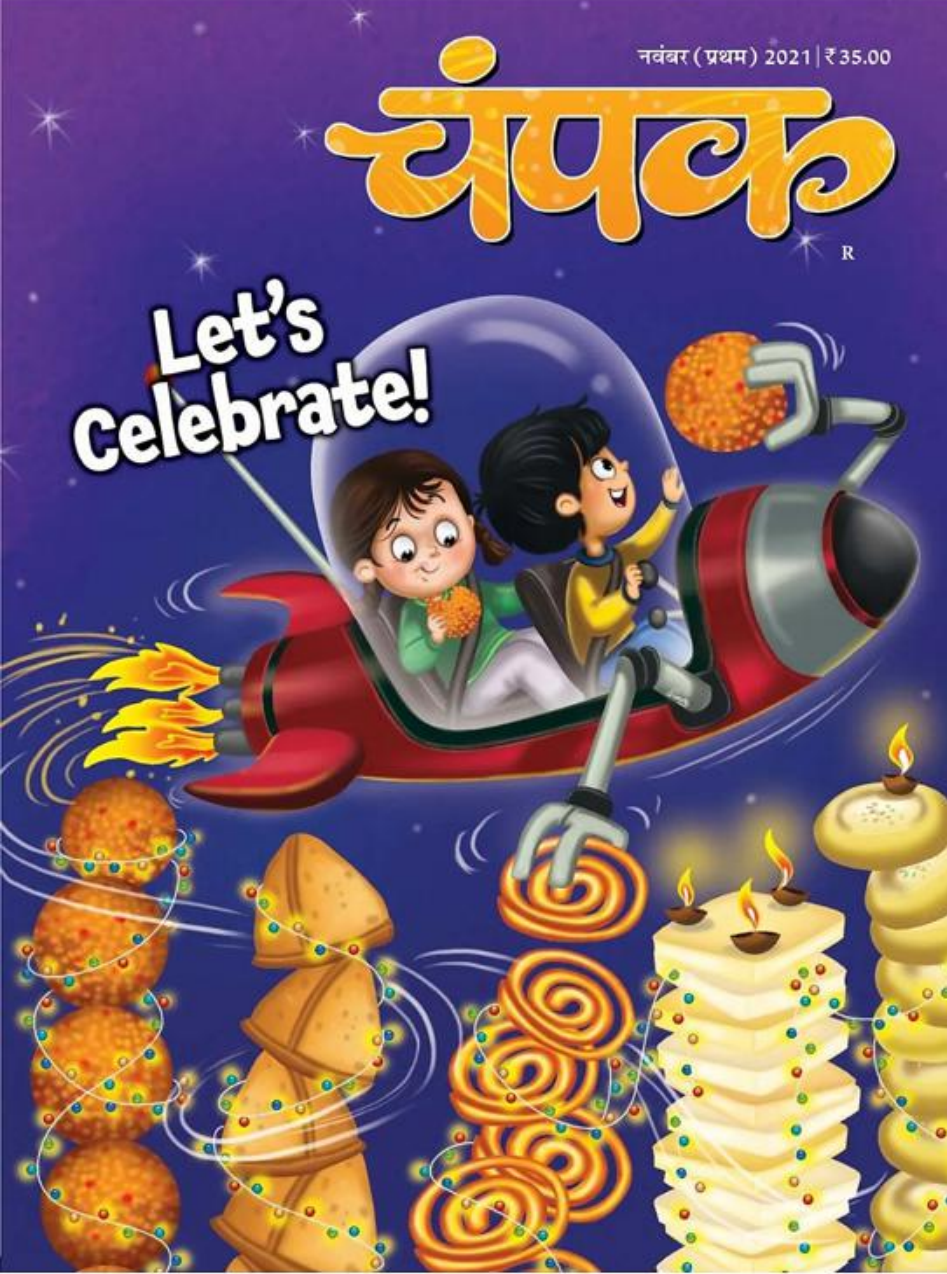

VISIT…

STOMAFIT®

लिक्विड व टैबलेट

SUNCARE
A WHO GMP COMPANY
SURE SAFE SECURE

सुनो जी, आ रहा है दीपावली का त्योहार, मिठाई और पकवान से है आपको बहुत प्यार, परहेज रखिएगा इस बार, कहीं पड़ न जाना फिर से बीमार।

हाहाहा, दिवाली पर खूब खायेंगे, पेट की समस्या से नहीं घबरायेंगे। अपच, कब्ज और ऐसीडिटी से नहीं है कोई डर, क्योंकि स्टोमाफिट है न अपने घर।

अपच व एसीडिटी से तुरंत आराम

New Pack

450ML, 200ML, 100ML, 90 TABLETS

HAEMOCAL®

Delicious Taste

ग्लूकोज़ से भरपूर आयरन टॉनिक

भूख न लगना, साधारण कमजोरी, बवासीर से एनीमिया, बच्चों में कमजोरी व थकावट, गर्भावस्था में खून की कमी, मासिक धर्म तथा कोविड-19 से आई कमजोरी को दूर करने में सहायक

New Pack

आपको और आपके परिवार को

दिपावली

की हार्दिक शुभकामनाएं

शहद सा गाढा संतरे सा स्वाद

300ML, 450ML

HAEMOCAL-Z जिंक के साथ उपलब्ध (450ml)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

सनकेयर फार्मूलेशन्स प्रा. लि.

फोन:8447977889/999, 011-46108735, मेल:info@stomafit.com

सभी प्रमुख ऑनलाईन फार्मेसीयों पर उपलब्ध

हेमोकॉल खरीदने के लिए स्कैन करें

स्टोमाफिट खरीदने के लिए स्कैन करें

चंपक

नवंबर (प्रथम) 2021 अंक : 1224

संस्थापक
विश्वनाथ
1917-2002

सुनो कहानी

पटाखा हाउस	4
चतुर कौन	8
डेविड को सबक	13
नई दीवाली	21
गाजर चोर	29
बेकी और उस की सूंड़	40
स्वतंत्रता सैनानी	46

मुखपृष्ठ

चंपक का थोड़ा सा जादू अपने दीवाली उत्सव में मिलाइए. दीवाली स्पेशल यानी खास की कहानियां पढ़िए और कुछ अजूबे पहेलियों के लिए अपने दिमाग को झकझोरिए. एक सुरक्षित और खुशनुमा दीवाली, आप सभी को मुबारक.

मन बहलाओ

सुंदर रंग भरो	7
देखो हंस न देना	12
रास्ता बताओ	17
बताओ तो जानें	18
अनामिक और कृपा	20
सुलझाएं	25
विंदु मिलाओ	28
स्मार्ट	33
चित्र पूरा करें	34
अंतर बताओ	38
कौन सी रंगोली किस की	39
याददाश्त बढ़ाएं	43

चित्र कथाएं

डमरू और स्मार्ट टीवी	11
चीकू	26
दादाजी और बाल दिवस	36

विशेष पृष्ठ

मजेदार विज्ञान	19
मेनका आंटी के जवाब	35
नन्ही कलम से	44

संपादक व प्रकाशक ● परेश नाथ

संचारकीय, विज्ञापन व प्रकाशन कार्यालय :
दिल्ली प्रेस भवन, ई-8, झंडेवालान एस्टेट, रानी झांसी मार्ग, नई दिल्ली-110055. फोन : 41596666, 23525557-62.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक परेश नाथ द्वारा ई-8, झंडेवालान एस्टेट, नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित एवं सेंचुरा सीमें प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, सेक्टर-60, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा -121003 से मुद्रित. संपादक - सीता नाथ.
Sold on the condition that jurisdiction for all disputes concerning sale, subscription and published matter will be in courts/forums/tribunals at Delhi.
चंपक में प्रकाशित सभी सामग्री पेंगुइन, स्वदेश, दादाजी व उसकी आपबीती है और बिक्री से उन सभी अधिकार संरक्षित माने है. प्रकाशकीय स्वत्वाधिकारों के पत्र लिखित रूप पाने लिखित स्वीकृति लेकर आंशिकरूप से अथवा अंशतोहर स्वरूप(चित्रों सहित) प्रकाशित, प्रेषित स्वरूपों को पुनः प्राप्ति/वापसी के लिए आवश्यक डाक खर्च आवश्यक है.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड को अदा किए कोई स्वरूप किसी प्रकार अद्यतन नहीं की जानी चाहिए. 'चीकू' सोसेज भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड है. चाकीक मुख्य केवल क्रेडिट कार्ड/चेक/ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा ही 'चंपक' के नाम से ई-8, झंडेवालान एस्टेट, नई दिल्ली-110055 को ही भेजें. सीधी-पी. ऑर्डर नहीं भेजें. एक प्रति रु. 30.00 (बिना सीडी के), वार्षिक रु. 576, दो वर्ष रु. 1050. (डाक से)

ग्राहक बनने और विज्ञापन के बारे में विस्तृत जानकारी सम्पर्क करें:
दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
ई-8, झंडेवालान एस्टेट, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055
फोन: 91-11-41596666, एक्स. ए. 119, 221, 264.
मोबाइल/एसएमएस/वाट्सएप: 08588643408
ईमेल: subscription @ delhipress.in

दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
डी-3, सवाल्ल एक्सेल भवन, पेंगुइन इंडिया रोड, सवाल्ल पुणे- 400021. फोन : 91-22-24122661, 42413956.

● रचनाओं व भत्रों के लिए ईमेल: article.hindi @ delhipress.in
● निमंत्रणों व प्रेस सूचनाओं के लिए ईमेल: invites.pressrelease @ delhipress.biz
● संपादक को पत्रों के लिए ईमेल: editor @ delhipress. biz
● चंपक वितरण के लिए ईमेल: subscription @ delhipress.in

अपनी कहानी, कविता, दुटकुला तथा आलेख यहां भी भेज सकते हैं :
writetochampak @delhipress.in या (022)4422 0478 • 09.1982/013
www. facebook.com/ChampakMagazine और https://www.youtube.com/ user/ ChampakSciQ

पटाखा हाउस

कहानी ● इंद्रजीत कौशिक

राजस्थान के थार मरुस्थल में रहने वाले जानवरों को दीवाली का त्योहार बहुत पसंद था. हर साल वे इस त्योहार को बड़ी धूमधाम से मनाते थे.

दो साल पहले दीवाली के दिन एक घटना घट गई थी. राजा शेरसिंह के दो छोटेछोटे बच्चे पटाखे चलाते हुए बुरी तरह झुलस गए. इस घटना के बाद महाराज ने दुखी हो कर पूरे रेगिस्तान में दीवाली मनाने पर ही रोक लगा दी.

अपने मनपसंद त्योहार पर रोक लगाए जाने से रेगिस्तान के जानवर बहुत दुखी थे. इस का परिणाम यह हुआ कि एक उपचुनाव में राजा का कैंडिडेट बुरी तरह हार गया.

"महाराज, अगर यही हाल रहा तो अगले साल जब चुनाव होंगे तो हम जानवरों के गुस्से का शिकार होंगे और चुनाव हार जाएंगे," मंत्री ब्रैंडन शुतुरमुर्ग ने कहा.

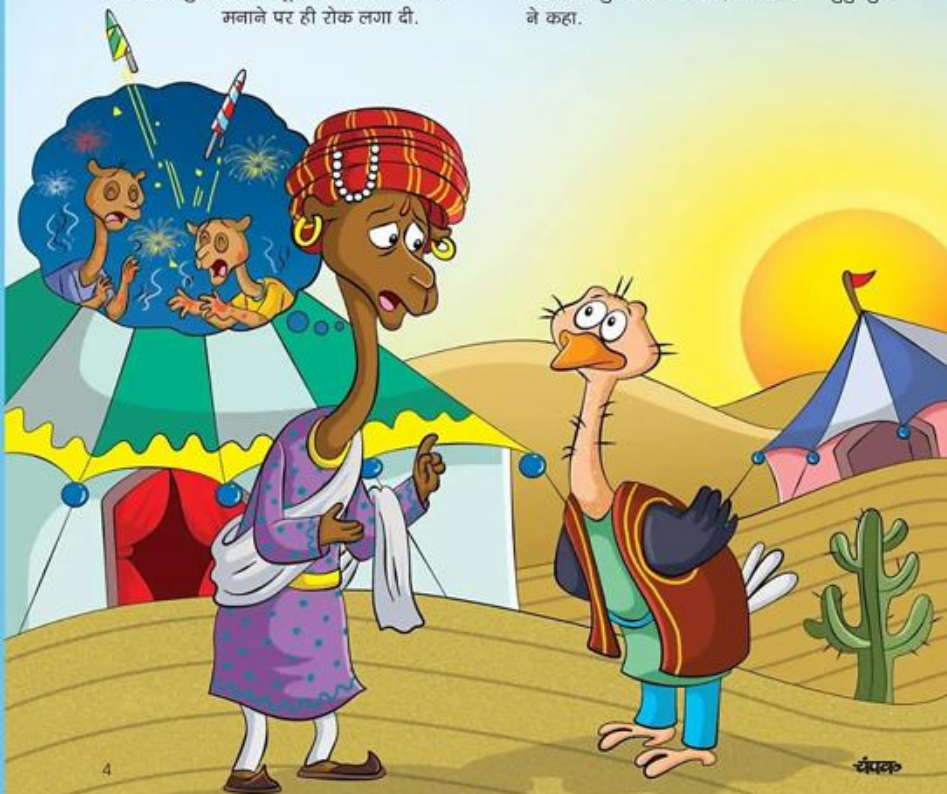

''तुम तो जानते ही हो कि मैं अपनी प्रजा से कितना प्यार करता हूं. इसीलिए मैं ने प्रदूषण और पटाखों के शोर से रेगिस्तान को बचाने के लिए इस त्योहार पर रोक लगाई,'' महाराज बोले.

''पर यही बात तो हमें भारी पड़ गई महाराज. अगर हम ने यह रोक नहीं हटाई तो सब जानवर मिल कर हमें हमारे पदों से हटा देंगे,'' ब्रैंडन ने कहा.

''हमें हर हाल में अपने जानवरों की फिक्र है. कुरसी रहे या न रहे, हम उन की जान को खतरे में नहीं डाल सकते,'' इतना कह कर महाराज अपनी जगह से उठ कर भीतर चले गए.

मंत्री और सेनापति स्थिति से चिंतित थे. वे जानते थे कि विपक्षी रेना रैटलस्नेक और उस के साथी इस अवसर को हथियाने और अगला शासक बनने की प्रतिक्षा कर रहे थे.

इस बीच, जब मंत्री ब्रैंडन के बेटे मोनू ने अपने पिता को उदास बैठे देखा तो उस से रहा नहीं गया. उस ने कारण पूछा तो ब्रैंडन ने उसे सबकुछ बता दिया.

''पापा, मेरे पास एक आइडिया है. आप मेरी यह बात महाराज तक पहुंचा कर इस समस्या का हल निकाल सकते हैं,'' जब ब्रैंडन ने अपने बेटे का विचार सुना, तो वह उस की बुद्धिमता पर हैरान रह गया.

''तुम्हारा आइडिया बहुत अच्छा है बेटा, मैं अभी जा कर महाराज से बात करता हूं,'' ब्रैंडन ने बेटे के सुझाव पर उस की पीठ थपथपाते हुए कहा.

''ऐक्सीलैंट आइडिया, इस से सांप भी मर जाएगा और लाठी भी नहीं टूटेगी. तुम आज से ही इस काम की तैयारी शुरू कर दो,'' सब को नन्हे मोनू का आइडिया बहुत पसंद आया तो उन्होंने उस पर अमल करने का आदेश दे दिया.

जैसे ही घोषणा हुई कि महाराज ने दीवाली का त्योहार मनाने की छूट दे दी है, पूरे रेगिस्तान में खुशी की लहर दौड़ गई.

सारे जानवर मिल कर दीवाली के त्योहार को मनाने की तैयारियों में जुट गए. वे सब महाराज के फैसले से बहुत खुश थे.

महंगाई के कारण आजकल आतिशबाजी केवल दीवाली वाले दिन ही होती थी. इसलिए महाराज ने दीवाली के ठीक एक दिन पहले अपने संदेश में इस त्योहार को अलग तरह से मनाए जाने के बारे में बताया.

''हम सभी रोशनी और खुशी के इस त्योहार को अपने घरों में धूमधाम से मनाएंगे, पर जहां तक पटाखे चलाने की बात है उस के लिए हम ने एक पटाखा हाउस बनवाया है. सारी आतिशबाजी रेगिस्तान से बाहर बने उस पटाखा हाउस पर ही होगी ताकि हमारा रेगिस्तान पटाखों से होने वाले प्रदूषण और शोर से बचा रहे.''

''यदि आप चाहें तो अभी चल कर वहां पटाखा चला सकेंगे,'' ब्रैंडन ने महाराज की ओर से सभी से कहा.

सभी को यह आइडिया बहुत पसंद आया.

''जिन्हें पटाखे चलाने में मजा आता है वे जी भर कर पटाखे फोड़ेंगे, पर जो जानवर इस शोर और प्रदूषण को सहन नहीं कर सकते वे आराम से अपने घरों पर रह कर त्योहार मनाएंगे. हमें और क्या चाहिए?'' सभी जानवरों ने महाराज के फैसले का दिल से स्वागत करते हुए कहा.

रेगिस्तान के बाहर एक बहुत बड़ा चबूतरा खुली जगह पर बनवा दिया गया, जहां सारे जानवर बड़े आराम से इकट्ठे हो कर पटाखे चला सकते थे.

यदि कोई दुर्घटना होती है तो इस पटाखा हाउस के पास ही एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी तैयार खड़ी थी.

इस आतिशबाजी को लाइव टैलीकास्ट के लिए कैमरे लगाए गए थे ताकि बाहर रेगिस्तान के जानवर घर बैठे इस का मजा ले सकें.

महाराज शेर सिंह ने घूमघूम कर सारे इंतजामों का जायजा लिया. हर तरफ हंसी और खुशी का माहौल था.

रेगिस्तान में पहली बार दीवाली का ऐसा त्योहार मनाया गया था. सारे जानवरों ने प्रदूषण और शोर से दूर रह कर दीवाली का आनंद उठाया.

अगर किसी की दीवाली फीकी हो गई थी तो वह थी रैना रैटलस्नैक, जिस के रानी बनने के सपने पर छोटे बच्चे मोनू के आइडिया ने पानी फेर दिया था. ●

सुंदर रंग भरो

चतुर कौन

कहानी ● एस वरालक्ष्मी

हेजेल मुर्गी जन्म से ही कंजूस थीं, वह बाजार में एक दुकान से दूसरी दुकान के चक्कर लगा रही थी और अपने दोस्तों के लिए किस दुकान से मिठाई खरीदे, यह सोच रही थी, क्योंकि अगले दिन दीवाली थी.

आखिरकार वह सिंडी चीता की मिठाई की दुकान पर आई जो अन्य दुकानों की तुलना में थोड़ी सस्ती दर पर मिठाई बेचती थी.

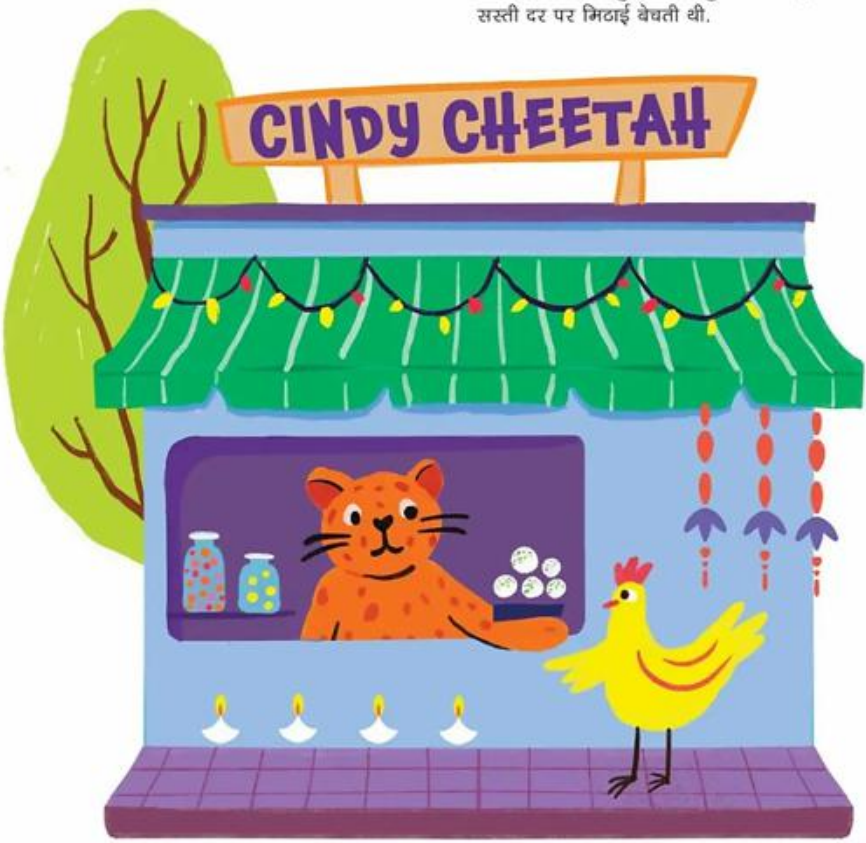

''नमस्कार, सिंडी, कारोबार कैसा चल रहा है?'' हैजेल मुर्गी ने खुशी से चहकते हुए पूछा.

''बहुत बढ़िया, कल दीवाली है, इस कारण आज मेरे पास बहुत सारे ग्राहक हैं,'' सिंडी ने मुसकराते हुए कहा.

हैजेल ने दुकान पर रखी विभिन्न मिठाइयों को देखा और पूछा, ''इन में से कौन सी मिठाई सब से सस्ती है?''

सिंडी को हैजेल के कंजूस स्वभाव के बारे में पहले से पता था इसलिए उस ने उस के पीछे एक कुर्सी पर अलग रखी मिठाई की ओर इशारा करते हुए बताया, ''ये मिठाइयां सब से सस्ती हैं. तुम इसे मुफ्त में ही ले जा सकती हो.''

भौचक्की हैजेल ने पूछा, ''मुफ्त से तुम्हारा क्या मतलब है? तुम होश में हो न?''

हंसते हुए सिंडी ने एक बौक्स को खोला और उसे हैजेल को दिखाया तथा विस्तार से समझाया कि इन में पिछले सप्ताह की दूध से बनी मिठाइयां हैं, जो खराब हो चुकी हैं. क्या तुम उन पर फफूंद लगी नहीं देख रही हो? मैं तो हैल्पर बौय के आने का इंतजार कर रही हूं कि वह आए और इन्हें ले जाए.''

हैजेल ने मिठाइयों को देखा. वास्तव उन पर फफूंदी लगी थीं, लेकिन ज्यादा नहीं लगी थीं. उसे एक उपाय सूझा और उस ने कहा, ''क्या मैं इन मिठाइयों के 4 डब्बे ले जा सकती हूं, तुम इन से छुटकारा पाना चाहती हो?''

सिंडी ने एकपल के लिए सोचा और फिर धूर्तता से कहा, ''मैं इन सभी मिठाइयों को इन की कीमत के चौथाई भाग में दे दूंगी.''

हैजेल ने सोचा, ''सड़ीगली मिठाइयों से भला कोई पैसे कमाने की बात कैसे कर सकता है?''

खैर, उस ने बहस न करने का फैसला किया क्योंकि उसे मिठाई काफी सस्ते दामों पर मिल रही थी.

मिठाई के डब्बों की कीमत देने के बाद वह खुशीखुशी अपने घर की ओर चल दी. वह पूरे रास्ते यही सोच रही थी कि वह कितनी चतुर है उस ने चौथाई कीमत पर मिठाइयां खरीद कर कितने सारे रुपए बचा लिए. जीवन कितना अच्छा था.

उस ने घर पर बड़ी सावधानी से मिठाइयों के ऊपर लगी फफूंदी को हटा दिया, जो उसे दिख रही थी और जिन मिठाइयों से वह फफूंदी हटा नहीं सकी,

उन्हें डब्बे में ही उल्टा कर दिया. उस के बाद उस ने बड़े ही करीने से डब्बों को बांध दिया. उस ने उन डब्बों को बड़ी संतुष्टि से देखा. वह सोचने लगी, 'सिर्फ एक और दिन ही और रह गया है और उस के बाद तो वह असली स्वादिष्ठ मिठाइयां खा रही होगी जिन्हें उस के दोस्त उसे गिफ्ट में देंगे, बिलकुल ही मुफ्त में.

अगले दिन उत्साहित हैजेल अपने दोस्त ब्राउनी गैंडे के घर गई और दीवाली के ग्रीटिंग्स और मिठाइयों का आपस में लेनदेन करने लगी. उस के बाद हैजेल मिठाइयों के बड़े डब्बों को जिन्हें ब्राउनी ने उसे दिया था, ले कर अपने घर चली गई.

'ब्राउनी सच में बहुत प्यारा दोस्त है जो मुझे इतने ढेर सारे मिठाई के डब्बे भेंट करता है. उन मिठाइयों का स्वाद लेने के लिए मैं घर पहुंचने का इंतजार नहीं कर सकती,' अपने होंठों को चाटते हुए उस ने सोचा.

जैसे ही वह घर पहुंची, जल्दी से अंदर गई और टेबल पर मिठाई के डब्बों को रख दिया. उस ने एक डब्बे को पकड़ा और बहुत ही उतावलेपन से इस के रैपर को फाड़ कर डब्बे को खोला.

इस के अंदर दूध के पेड़े थे, ''वाउ, यह तो मेरी पसंदीदा मिठाई है,'' वह आश्चर्य से बोली. उस ने तुरंत एक पेड़ा उठाया और अपने मुंह में डाल लिया. अगले ही पल उस ने मुंह बनाते हुए इसे थूक दिया. ''आह , थू...यह क्या है?''

तभी उसे कुछ दुर्गंध का एहसास हुआ. चिल्लाते हुए गुस्से से उस ने मिठाई को करीब से देखा और इसे उल्टा कर दिया. वह भौचक्क रह गई, उसे नीचे एक हरी परत दिखाई पड़ी, ''फफूंदी.''

डर से घबरा कर उस ने अन्य पेड़ों को परखा, लेकिन सब के सब एक जैसे थे, सभी खराब हो चुके थे.

हैरानपरेशान और निराश हो कर उस ने गुस्से में दोस्त को कोसना शुरू कर दिया जिस ने खास कर दीवाली वाले दिन उसे सड़ीगली मिठाई दे दी थी, वह भी धोखे से.

'क्या इस शुभ अवसर पर भी उसे अपना घिनौना और कंजूस स्वभाव दिखाना जरूरी था?'

गुस्से में हैजेल ने सोचा, 'वह किस तरह का दोस्त है?' उस के बाद हैजेल ने अन्य डब्बों को खोलने का निर्णय किया. लेकिन उस की झुंझलाहट बढ़ती चली गई. सभी मिठाइयां सड़ीगली और फफूंदी लगी हुई थी.

अचानक उस के दिमाग में कुछ आया और उस ने हर डब्बे के ऊपरी कवर पर लिखे मिठाई की दुकान नाम को चैक किया. जिसे ब्राउनी ने उसे दिया था. उस की हैरानी का ठिकाना न रहा, उस पर लिखा था, 'सिंडी चीता की मिठाई, हैप्पी दीवाली.'

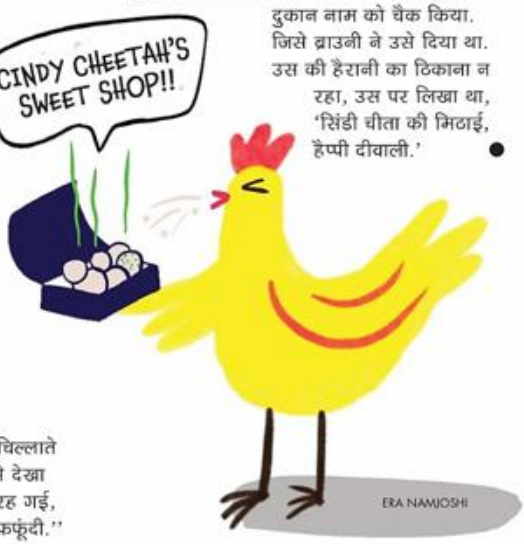

डमरू और स्मार्ट टीवी
कहानी ● शिवेश श्रीवास्तव
बिजनैसमैन मेन्नी बंदर के यहां डमरू काम कर रहा था.
डमरू, अब मैं अपने स्मार्ट टीवी पर कोई भी चीज देख सकता हूं.
मालिक, इस टीवी पर फिल्में (मूवी) कैसे दिखने लगती हैं? आप के पास तो केबल का कनैक्शन भी नहीं है.
ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह इंटरनैट से जुड़ा हुआ है और मैं टीवी ऐप्स का इस्तेमाल करता हूं.
ओह, तो यह बात है.
अगले दिन
डमरू, मैं किसी काम से बाहर जा रहा हूं. मैं क्रिकेट मैच देखने के लिए 4 बजे तक आ जाऊंगा.
ठीक है, मालिक.
कुछ देर बाद
मालिक, मैं ने मैच देखने के लिए टीवी ऑन किया था, लेकिन इस पर कुछ भी नहीं आया. इसलिए मैं यह देखना चाहता था कि टीवी के अंदर के ऐप्स में समस्या तो नहीं है.
तुम ने मेरे टीवी के साथ यह क्या कर दिया?
लेकिन तुम ने ऐसा सोचा क्यों? टीवी चल नहीं रहा था क्योंकि बिजली नहीं थी.
बेवकूफ, टीवी सिर्फ तभी चलेगी, जब वहां बिजली होगी.
लेकिन आप ने इस से पहले बिजली के बारे में कुछ बताया नहीं था.
मैं कुछ भी नहीं जानता हूं. आप तो जानते हो कि फिल्में कहां से आती हैं. खैर, मैं मैच देखने के लिए जा रहा हूं.
तुम ने मेरे महंगे टीवी का सत्यानाश कर दिया. मैं अब कुछ भी नहीं देख पाऊंगा.

देखो हंस न देना

टीचर (छात्र से) : जब हम एक बॉल को आसमान में फेंकते हैं, तो वह वापस नीचे क्यों आ जाती है?
मैक्स : क्योंकि आसमान में कोई भी नहीं है, जो बॉल को कैच कर ले.

अप्राजिता प्रभाकर, 10 वर्ष
बिहार

राजा (मंत्री से) : एक गाय मेरे राज्य में चोरी कर ली गई है. कुछ करो.
मंत्री (अपने सहयोगी से) : तुम पुलिस स्टेशन जाओ और बताओ कि राजा सो रहा था, गाय घास चर रही थी, चोर आया, दीवार तोड़ी और गाय चुरा ले गया.
सहयोगी (थाने में) : दीवार सो रही थी, चोर चर रहा था, गाय ने दीवार तोड़ दी और चोर को चुरा लिया.

वीर कुमार, 10 वर्ष
नई दिल्ली

हर्ष (विवेक से) : एक आदमी 2004 में पैदा हुआ और 2001 में मर गया. यह कैसे संभव है?
विवेक : दोनों ही नंबर उस के कमरे के नंबर हैं.

यजत जैन, 10 वर्ष
बड़ोदरा

केशव (विमल से) : बुर्ज खलीफा को तुम 100 साल बाद क्या कह कर पुकारोगे?
विमल : बुजुर्ग खलीफा.

सान्वि शर्मा, 11 वर्ष
नई दिल्ली

हाहाहा हाहाहा हीहीही हीहीही

टीचर (छात्र से) : एफ से फैन होता है, इसलिए फैन शुरू होता है?
छात्र : मैम, फैन स्विच से चलना शुरू होता है.

स्वस्तिक, 9 वर्ष, विशाखापट्टनम

किशोर (सुमन से) : तुम विराट कोहली को तब क्या कह कर पुकारते, अगर वह एक वेजेटेबल (सब्जी) होता?
सुमन : ब्रौकली (ब्रोकोहली).

शिवानी एस पाई, 7 वर्ष
बैंगलुरु

डाक्टर (मरीज से) : तुम्हें दर्द कहां पर होता है?
मरीज : आप मुझे डिस्काउंट दीजिए और इसे खुद ही पा लीजिए.

जे जिया, 13 वर्ष
ओडिशा

पापा (रिम्मी से) : 2 किताब + 2 किताब कितनी होती हैं?
रिम्मी : 4 किताबें.
पापा : अब मैं तुम से एक भारी सवाल पूछूंगा, 1789365 किताबें + 23687 किताबें कितनी होंगी?

रिम्मी : एक लाइब्रेरी, पापा, हा, हा.

नव्या मिश्रा, 11 वर्ष
राजस्थान

टीचर (चिंटू से) : ऐंटीबौडीज का विपरीत क्या होता है?
चिंटू : अंकल बौडीज.

आंकेशा कल्याल, 10 वर्ष
गुरुग्राम

पौली (मौली से) : मिस्टर हैनरी के पास 10 बिल्लियां हैं, एक भाग गई तो कितनी बिल्लियां बची रह गईं?
मौली : 9 बिल्लियां बची रहीं.
पौली : गलत, 0 बिल्लियां बचीं क्योंकि वे कौपीकैट्स यानी नकली बिल्लियां थीं.

आद्या मित्तल, 8 वर्ष
भोपाल

रिया (अमित से) : कौन सा जानवर सब से पुराना है?
अमित : जेबरा.
रिया : कैसे?
अमित : क्योंकि आज की रंगीन दुनिया में भी उन के ऊपर ब्लैक ऐंड व्हाइट पट्टियां हैं.

राहा सांत, 9 वर्ष
पंजाब

अपनी चुटकुले, कुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें
चंपक, दिल्ली प्रेस, ए-4, सीताम इंडस्ट्रियल एस्टेट, पहाड़, मुंबई - 400031
ईमेल : writetochampak@delhipress.in
और SMS: 8657402248
ऑनलाइन विजिट करें :
www.facebook.com/ChampakMagazine
https://www.youtube.com/ChampakSciQ

डेविड को सबक

कहानी ● मुरली टीवी

''कुड़कुड़ क्लैक, कुड़कुड़ कैंक,'' नन्हा हंस डेविड अपनी मां के पास रोता हुआ आया. इस से पहले कि मम्मी कुछ कहने के लिए मुंह खोल पातीं, वह चिल्लाया, ''मुझे तुरंत अस्पताल ले चलो. मेरी आंखों में कुछ हो गया है.''

घबराहट महसूस करते हुए उन्होंने डेविड की आंखों की जांचपड़ताल की.

''मुझे नहीं लगता कि तुम्हारी आंखों में कुछ दिक्कत है,'' मम्मी ने कहा.

लेकिन डेविड अपनी मम्मी के विचारों से राजी नहीं था, उस ने कहा, ''मुझे तुरंत अस्पताल ले चलो या डाक्टर को बुलाओ.''

पिग्गी सूअर सुबह की सैर कर घर लौट रहा था. ''डेविड के साथ क्या हुआ?'' पिग्गी ने उत्सुकता से पूछा. डेविड अभी भी अपनी आंखें खोलने के लिए तैयार नहीं था.

''अपनी आंखों को बंद ही रखो लेकिन अपना मुंह खोलो और मुझे बताओ कि तुम्हारे साथ क्या हुआ?'' पिग्गी ने डेविड से कहा.

''मुझे लगता है कि मैं कलरब्लाइंड हो गया हूं यानी मेरे आंखों में रतौंधी हो गया है,'' डेविड ने जवाब दिया. ''मेरे परिवार में कोई भी कलरब्लाइंड नहीं है,'' डेविड की मम्मी ने तुरंत कहा.

पिग्गी ने डेविड को थपथपाया और कहा, ''कलर ब्लाइंडनैस के मामले में चिंता क्यों करते हो, तुम अभी बहुत छोटे हो.''

डेविड ने अपनी आंखें खोलीं और पिग्गी को टकटकी लगा कर देखा.

''ऐसा क्या हुआ जिस ने तुम्हें कलरब्लाइंड के बारे में सोचने पर विवश कर दिया?'' मम्मी ने पूछा.

''मैं आज पहली बार राजमहल के उद्दान में गया था,'' डेविड ने फुसफुसा कर कहा, ''वहीं जा कर मुझे दृष्टि की समस्या का एहसास हुआ है.''

''मैं जानता हूं कि डेविड कभी झूठ नहीं बोलता. वह एक अच्छा बच्चा है. हमें राजमहल के उद्दान में चलना चाहिए और इस बात का पता लगाना चाहिए,'' पिग्गी ने कहा.

डेविड हिचकिचाते हुए पिग्गी और मम्मी के साथ राजमहल के उद्दान की ओर चल पड़ा. वह रास्ते भर अपनी आंखों को परखते हुए चल रहा था. ''मुझे लगता है कि अब मेरी आंखें ठीक हो गई हैं. अब मुझे घर लौट जाना चाहिए,'' डेविड बोला.

''चलो, यह सुनिश्चित कर लें कि वे ठीक रहें. जैसा कि तुम्हें पता चला था कि राजमहल के उद्दान में जब तुम गए तो वहां पर तुम्हारी दृष्टि में कुछ समस्या थी. हां, अच्छी तरह से उस के बारे में पता करेंगे,'' पिग्गी ने डेविड का हाथ पकड़ा और तेजी से चलते हुए कहा.

जैसे ही वे राजमहल के उद्दान में अंदर गए, डेविड चीखने लगा और उस ने अपनी आंखें बंद कर लीं.

मम्मी ने पूछा, ''डेविड, तुम्हारे साथ गलत क्या हुआ? अपनी आंखें खोलो.''

''हा हा, ही ही,'' फौक्सी लोमड़ अचानक उन के सामने आ गया. लोमड़ जंगल में अपनी शरारतों के लिए बहुत बदनाम था.

''हमें यहां ऐसा कुछ भी मजेदार नहीं दिखा जिस पर हम मूर्खों की तरह हंसें जैसे कि तुम हंस रहे हो,'' मम्मी ने सख्त लहजे में फौक्सी से कहा.

पिग्गी ने शांति से फौक्सी से कहा, ''भाई, क्या तुम्हारे पास डेविड की शिकायत का कोई आइडिया है?''

''क्या उस ने तुम सभी से यह कहा कि वह कलरब्लाइंड था?'' फौक्सी ने तुरंत पूछा.

जब पिग्गी और मम्मी ने आश्चर्य से उस की ओर देखा, तो लोमड़ को एहसास हुआ कि वह पकड़ा गया है. ''तो यह साफ हो गया कि डेविड के कलर ब्लाइंडनैस के पीछे तुम हो,'' पिग्गी ने कहा.

फौक्सी ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन डेविड की मम्मी ने उसे तुरंत रोक दिया और कहा, ''मुझे बताओ कि मेरे बच्चे को ऐसा क्यों लगता है कि वह कलर ब्लाइंड है.''

''कृपया फौक्सी अंकल को डराइए मत,'' डेविड ने हस्तक्षेप किया और पास के एक पौधे की ओर इशारा किया और पूछा, ''क्या आप इस पौधे की पत्तियों के रंग के बारे में बता सकते हैं?''

''लाल,'' मम्मी ने शांति से जवाब दिया. डेविड का चेहरा अचानक लाल हो गया और वह चीखा, ''मम्मी, पौधे के पत्तों का क्या रंग है?''

''पीला,'' मम्मी ने फिर शांति से कहा.

''अरे, नहीं, फौक्सी अंकल बिलकुल सही हैं. मुझे कलर ब्लाइंडनैस आप से विरासत में मिली है,'' डेविड ने कहा.

डेविड की मम्मी हैरान थी, लेकिन पिग्गी हंस पड़ा और फौक्सी के कान को पकड़ लिया. ''धूर्त लोमड़, मैं समझ गया. तुम ने अपनी सस्ती शरारत का खेल नन्हे डेविड पर खेला है,'' पिग्गी ने कहा.

''मुझे माफ कर दो,'' फौक्सी गिड़गिड़ाया. पिग्गी ने नन्हे डेविड को थपथपाया और बोला, ''चिंता न करो. तुम ने जैसा सोचा और तुम्हारी मम्मी ने जो कुछ कहा, वह सब बिलकुल सही है. उन पौधों के पत्तों का रंग लाल और पीला है.''

''क्या?'' डेविड चीखा. ''लेकिन पत्तों के बारे में तो माना जाता है कि वे हरे रंग के होते हैं. मुझे लगता है कि आप भी कलरब्लाइंड हो गए हैं, पिग्गी अंकल.''

फौक्सी भी अपनी हंसी पर नियंत्रण नहीं रख सका और उस ने मुसकराते हुए कहा, ''मुझे खेद है, मेरे मासूम निर्दोष नन्हे दोस्त. तुम सही कह रहे हो. ज्यादातर पत्ते हरे होते हैं. लेकिन कुछ पौधे ऐसे हैं, जिन के पत्ते हरे नहीं होते.''

डेविड तुरंत पौधे की तरफ बढ़ गया. उस ने पत्तों को परखा और फिर पूछा, ''क्या ये सचमुच लाल रंग के हैं?''

''हां,'' पिग्गी ने जवाब दिया, ''और उस पौधे के पीले रंग के पत्ते भी हैं. वहां देखो और तुम बैंगनी पत्तों वाले कुछ पौधों को देख सकते हो.''

''लेकिन मैं अभी भी हैरान हूं, पत्तों के बारे में कहा जाता है कि ये सिर्फ हरे होते हैं,'' वह बड़बड़ाया.

''आमतौर पर हम अपने चारों ओर हरे पत्तों के साथ ही पौधों को देखते हैं. लेकिन लाल, पीले और बैंगनी रंग के पत्तों वाले पौधे भी होते हैं,'' पिग्गी ने डेविड को विस्तार से बताया, ''उन के पत्तों का अलगअलग रंग पत्तों में मौजूद विभिन्न रंगद्रव्यों की वजह से होता है.''

डेविड जिसे नई चीजों के बारे में सीखना और समझना बहुत पसंद था, पिग्गी के पास सट कर बैठ गया. पिग्गी ने कुछ रंगीन पत्तों को तोड़ा और कहा, ''पौधों के पत्तों में 3 प्राथमिक रंगद्रव्य होते हैं, जो पत्तियों को अलगअलग रंग प्रदान करते हैं. वे हैं, क्लोरोफिल, कैरोटेनोइड्स और ऐंथोसायनिन.''

''मैं इन नामों का उच्चारण भी नहीं कर सकता,'' फौक्सी लोमड़ ने कहा.

''लेकिन तुम शरारतें बड़ी आसानी से कर सकते हो,'' डेविड की मम्मी ने कहा.

''ठीक है, मम्मी, फौक्सी अंकल ने मुझ से पहले ही सौरी कह दिया है. अब मुझे पिग्गी अंकल से कुछ और भी बातें सीख लेने दो ताकि अगली बार फिर कोई मुझे बेवकूफ नहीं बना सके,'' डेविड ने गंभीरता से कहा.

''तुम बड़े बहादुर हो,'' पिग्गी ने डेविड की तारीफ करते हुए कहा, ''पत्तों के रंग इस के क्लोरोफिल की वजह से हरे होते हैं, हरे पत्तों में क्लोरोफिल बहुत अधिक होता है. जिन पत्तों में कैरोटेनोइड्स रंगद्रव्य होता है, वे पीले या औरेंज रंग के दिखाई देते हैं और जिन पत्तों में ऐंथोसायनिन रंगद्रव्य की मात्रा ज्यादा होती है, वे लाल या बैंगनी रंग के दिखाई देते हैं.''

''ऐलिफैंट इयर, पोलकाडौट प्लांट और लाइकेन ऐसे पौधों के कुछ उदाहरण हैं,'' पिग्गी ने कहा.

डेविड अचानक फौक्सी के पास गया और दृढ़ता से पूछा, ''अब आप क्या बताएंगे कि कलर ब्लाइंडनैस क्या होता है?''

फौक्सी ने अजीब तरीके से अपनी आंखें झपकानी शुरू कर दी.

''आंखें झपकाना और कलरब्लाइंड एक ही बात नहीं हैं, मिस्टर फौक्सी लोमड़,'' पिग्गी ने हंसते हुए कहा.

अब हर किसी के चौंकने की बारी थी, फौक्सी ने कहना शुरू किया, ''कलरब्लाइंडनैस यानी रतौंधी का मतलब है कि कोई रंग नहीं दिखाई देता यानी रंगों में भी अंतर मालूम नहीं पड़ता. लालहरा रंग का रतौंधी सब से सामान्य रूप है, जिस के बाद नीलापीला रंग का अंधापन होता है और उस के बाद सभी रंगों का अंधापन आ जाता है यानी कोई भी रंग नहीं दिखता है.''

''हुंह, फौक्सी सिर्फ शरारती ही नहीं, बल्कि मसखरी भी करता है,'' डेविड की मम्मी ने हंसते हुए निष्कर्ष निकाला.

नन्हे डेविड ने खुश हो कर ताली बजाई और बोला, ''मुझे माफ कर दो, मम्मी. मैं ने आज सीखा कि कहां पर मुझे अपनी आंखों बंद करनी चाहिए.''

पिग्गी और मम्मी ने फौक्सी लोमड़ को चिढ़ाते हुए देखा जो अंधा होने का नाटक करते हुए भी हंस रहा था. डेविड मम्मी के गले लग गया और पिग्गी अंकल के हाथ पकड़ कर राजमहल के उद्दान को छोड़ कर बाहर निकल आया. अब वे अपने घर की ओर जा रहे थे. ●

Normal Vision

Red-Green Blindness

Blue-Yellow Blindness

Total Colour Blindness

रास्ता बताओ

हम 4 नवंबर को दीवाली मनाएंगे. उस रास्ते को ढूंढें जो प्रकाश की पंक्ति तक जाता है, ताकि सीमा और अखिल अपने घर जा सकें और दीवाली मना सकें.

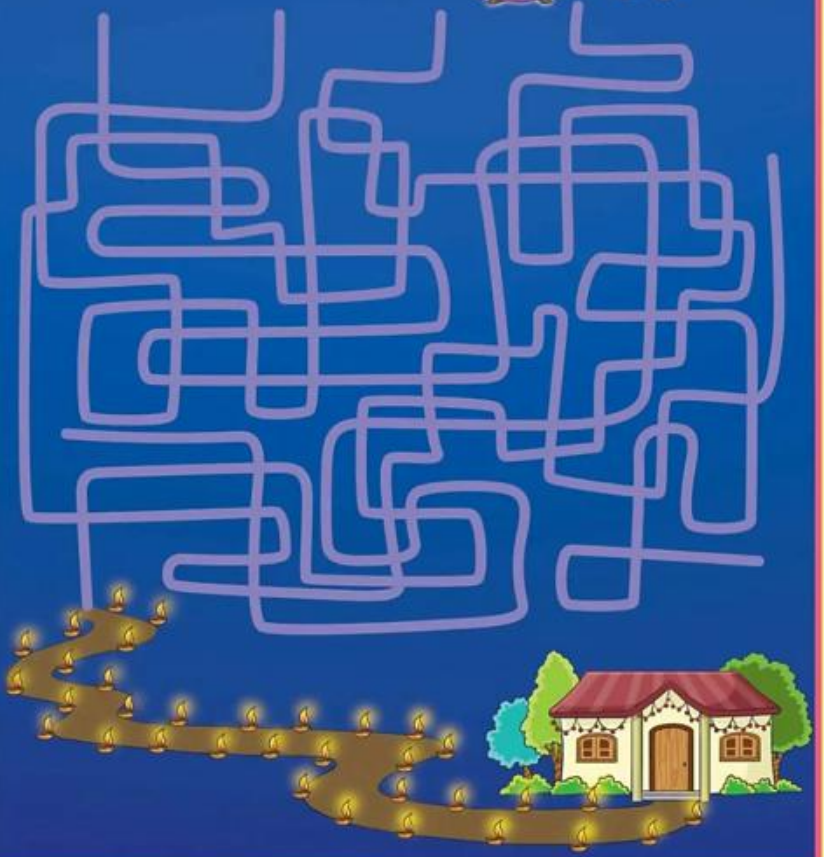

उत्तर: अंतिम पृष्ठ पर देखें.

बताओ तो जानें

1. तुम मुझे पाते हो
किचन और ऑफिस में
मैं हूं एक संग्रह इकाई
सब के काम बहुत आती.

2. मैं परिवारों को ले जाती
एक जगह से दूसरी जगह
बहुत से परिवारों के पास
मैं हूं, ईंधन से मैं चला करती.

3. तीन अक्षरों का मेरा नाम
आगे से पढ़ो या पीछे से
होता हूं मैं एक समान
मुझ से कारोबार चले महान.

4. सभी दिनों के रिकार्ड हैं मेरे पास
छुट्टियां और जन्मदिन भी
अपने कामों को करने के लिए
लोग करते हैं मेरा इस्तेमाल.

देखें तुम कितना जानते हो

1. अंटार्कटिका की भूमि पर पैर रखने वाली प्रथम महिला कौन थी?
(क) कैरोलिन मिक्कलसेन
(ख) किरण बेदी
(ग) महाकवि कालीदास
(घ) जोएन्ने लाउड

2. वर्ष 1905 में फ्रैंक एप्परसन जो 11 वर्ष का था, उस ने कौन सी मिठाई की खोज की थी?
(क) कौटन कैंडी
(ख) बनाना स्प्लिट
(ग) पौपसिकल
(घ) क्रैकर जैक्स

3. कौन सा शहर है जिसे राजस्थान में व्हाइट सिटी यानी सफेद शहर के नाम से जाना जाता है?
(क) बिहार
(ख) जयपुर
(ग) जोधपुर
(घ) उदयपुर

4. किस शहर में प्रसिद्ध रौक गार्डन स्थित है?
(क) जयपुर
(ख) चंडीगढ़
(ग) शिमला
(घ) लखनऊ

उत्तर (सही की जांच) : 1-अंटार्कटिका, 2-बनाना स्प्लिट, 3-जोधपुर, 4-चंडीगढ़
उत्तर (कैसे हिसाब लगाते हो?) : 1-क, 2-ग, 3-ख, 4-ख.

मजेदार विज्ञान

मैजिक विद कलर

आइए, पता करते हैं कि कलर यानी रंग पानी में कैसे घुल जाते हैं.

आप को चाहिए :

- दो पारदर्शी गिलास
- फूड कलर
- एक जग पानी
- एक कटोरी चीनी

ऐसा करें :

1. आधा गिलास सादा पानी पहले वाले गिलास में डालें और दूसरे गिलास में 7 बड़े चम्मच चीनी डालें.

2. दूसरे गिलास यानी चीनी वाले में पानी मिलाएं और जब तक पूरी तरह से चीनी घुल न जाए, हिलाते रहें.

3. प्लेन वाटर यानी बिना चीनी वाले सादे पानी में फूड कलर की कुछ बूंदें मिलाएं.

4. अब चीनी वाले पानी में कुछ बूंदें फूड कलर की डालें.

देखें :

गिलासों में फूड कलर की कुछ बूंदें मिलाने के बाद सादे पानी में कलर यानी रंग की बूंदें पूरी तरह घुल जाती हैं, लेकिन चीनी वाले पानी में यह ऊपर के आधे भाग में तैरती है और धीरेधीरे घुल जाती है.

सोचें :

चीनी घुले पानी में फूड कलर यानी खाने का रंग क्यों ठहरा रहता है?

यह एक जादू की तरह जान पड़ता है, लेकिन इस का उत्तर है, घनत्व. घनत्व का मतलब होता है एक दिए हुए स्थान में किसी पदार्थ का द्रव्यमान कितना है. किसी पदार्थ के दूसरे पदार्थ में तैरने के लिए उस पदार्थ का घनत्व दूसरे पदार्थ से कम होना चाहिए. जब हम पानी में चीनी को मिलाते हैं, तो चीनी के अणु पानी के अणुओं के बीच के स्थान में जा कर बैठ जाते हैं. इस से एक दिए हुए स्थान में अणुओं की संख्या बढ़ जाती है, जिस का मतलब हुआ कि घनत्व भी बढ़ गया. चूंकि हम ने ज्यादा चीनी मिलाई है, इसलिए चीनी पानी का घनत्व बढ़ जाता है. जब हम फूड कलर की बूंदों को मिलाते हैं तो ये बूंदें ऊपर में तैरती हैं क्योंकि इन बूंदों का घनत्व चीनी घुली पानी के घनत्व से कम होता है.

पता करें :

नदी या समुद्र किस में तैरना आसान है?

हमारे इस प्रयोग के अनुसार, समुद्र के पानी में ढेर सारे साल्ट यानी नमक घुला होता है, जो इसे नदी के पानी की तुलना में भारी बना देता है, क्योंकि नदी का पानी एक तरह से फ्रैशवाटर यानी ताजा पानी होता है. एक द्रव का उच्चतम घनत्व किसी अन्य वस्तु को इस में तैरने या बहते रहने के लिए आसान बना देता है. चूंकि मनुष्य के शरीर का घनत्व फ्रैशवाटर यानी साफ पानी की तुलना में अधिक होता है, लेकिन साल्टवाटर यानी नमकीन पानी का घनत्व साफ पानी से ज्यादा होता है. इसलिए नदी की तुलना में समुद्र में तैरना आसान हो जाता है.

अनामिक और कृपा की मदद करें

14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है. भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू 14 नवंबर 1889 को जन्मे थे. अनामिका और कृपा के मम्मीपापा ने उन के लिए एक खेल को सेट किया है ताकि वे इस दिन को मना सकें. अंगरेजी में J अक्षर से शुरू होने वाले 10 चीजों को ढूंढने में उन की मदद करें.

उत्तरः आठवें पृष्ठ पर देखें.

नई दीवाली

कहानी ● मनोहर चमोली 'मनु'

दीवाली नजदीक थी. जंगल के जानवर दो हिस्सों में बंट गए थे. सभी पीपल के पेड़ के नीचे आ चुके थे. कुछ जानवरों को दीवाली मनाना पसंद था, लेकिन कुछ को शोरशराबे वाला यह त्योहार पसंद नहीं था.

लकी शेर अभी नहीं पहुंचा था, इसलिए इला हाथी ने चर्चा शुरू की. उस ने चिंघाड़ते हुए कहा, ''यह हमारी नाक का सवाल है. हम हाथियों की सुनने की क्षमता बहुत संवेदनशील होती है. इसलिए दीवाली के शोरशराबे से हम कई दिनों तक परेशान रहते हैं.''

मोमो चूहा खड़ा हो कर बोला, ''ये 21वीं सदी है. दीवाली को नए तरीके से मनाने का वक्त आ गया है. सैकड़ों पटाखे जला कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाना अच्छा नहीं है. क्या सादगी से दीवाली नहीं मनाई जा सकती. हमारे तो कान के परदे ही फट जाते हैं.''

इतना कह कर चूहा बैठ गया. कई अन्य जानवरों की तरह, उस ने सोचा कि दीवाली के दौरान जो कुछ दिनों तक चलती है, जंगल को छोड़ कर कहीं और चले जाना अच्छा है. बैठक बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई.

फुरू लोमड़ और जौय सियार दौड़ कर लकी शेर की गुफा में जा पहुंचे. उन्होंने बढ़ाचढ़ा कर बैठक का सारा किस्सा सुनाया.

लकी बीमार था और दर्द से कराह रहा था. उस ने कहा, ''यह फैसला करने वाला कोई कौन होता है कि दीवाली में धूमधड़ाका नहीं होगा. मुझे बताओ.''

फौक्सी बोला, ''मैं ने अभी सारा किस्सा सुनाया तो है आप को. यह सब चूहे का कियाधरा है. वह घरघर जा कर अफवाह फैला रहा है कि यदि हम इसी तरह दीवाली मनाते रहे तो यह धरती खत्म हो जाएगी. यदि वे बमपटाखे जलाते रहे तो एक दिन हम सब मर जाएंगे, आप भी.''

लकी दहाड़ा. उस ने आदेश देते हुए कहा, ''अच्छा, यह बात है? ऐसा करो उस मोमो को अभी जिंदा पकड़ कर मेरे सामने लाओ. मैं भी तो सुनूं कि वह पागल क्यों हो गया है. वह कहता क्या है?''

जौय और फुरू इसी पल का इंतजार कर रहे थे. मोमो ने तब उन का मजाक उड़ाया, जब उन्होंने कहा था कि वे हर साल की तरह दीवाली के दौरान पटाखे फोड़ना चाहते हैं, तब मोमो के साथ सभी नाराज हो गए थे, अधिकतर जानवरों ने मोमो का समर्थन किया था.

उन्होंने मोमो को पकड़ लिया और तुरंत उसे लकी के सामने ले आए. जौय ने लकी से कहा, ''ये लीजिए,

यह है आप का गुनहगार. सभी का गुनहगार, इसी ने कहा है कि इस साल बमपटाखे नहीं जलाने चाहिए. यह कहता है कि दीवाली पर मोमबत्ती जलाओ, दीये जलाओ और अंधकार भगाओ.''

लकी मोमो को घूरते हुए दहाड़ा, ''तो तुम हो, पिद्दी भर के चूहे. अरे मूर्ख, दीवाली क्या रोजरोज आती है? दीवाली साल में एक ही बार तो आती है. जंगल के आसपास इतनी रौनक कभी देखी है क्या? और फिर हम जानवरों को दीवाली मनाने से कैसे रोक सकते हैं?''

मोमो ने जवाब दिया, ''तभी तो मैं कह रहा हूं, एकदो दिन दीवाली पर पटाखे जला कर वे इस धरती पर वायु प्रदूषण फैला रहे हैं. दीवाली यदि सादगी से मनाई जाए तो धरती, जंगल और धरतीवासी सभी खुशहाल हो जाएंगे. दूसरी बात दीवाली में बमपटाखे जलते रहे तो एक दिन ऐसा आएगा कि प्रदूषण के कारण इस धरती को खो देंगे और भूखे ही रह जाएंगे.''

लकी खड़ा हुआ और चौंकते हुए बोला, ''मैं भूखा रह जाऊंगा? कैसे? ये तू क्या अनाशनाप बक रहा है. तेरा दिमाग तो नहीं फिर गया?''

मोमो ने कहा, ''दीवाली में बमपटाखे जलाने से न केवल ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है बल्कि इस के बाद धुआं हवा को प्रदूषित करता है. छोटे जीवजंतु डर के मारे कई दिनों तक भूखेप्यासे ही रह जाते हैं.''

मोमो बिना किसी डर के आगे लकी से अपनी बात कहता रहा, ''सैकड़ों ऐसे जानवर हैं जिन की आंखों की रोशनी धुंधली पड़ जाती है. हजारों बहरे हो जाते हैं. दहशत में कई तो मर भी जाते हैं. आप ने देखा होगा कि कई जानवर तो बहुत दिनों तक गायब हो जाते हैं.''

लकी चुपचाप यह सब बातें सुन रहा था. वह दहाड़ा, ''उस से मुझे क्या? कोई दीवाली मनाए न मनाए डरे न डरे. उस से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता. बस, पहले तुम तो यह बताओ कि मैं भला भूखा क्यों रह जाऊंगा? दीवाली पर पटाखें के जलाने से मेरी भूख का क्या संबंध है?''

''हम जानते हैं कि इस धरती पर गंदगी बढ़ती जा रही है. हमारे ही नहीं आसपास के जंगलों के तालाबों का पानी भी लगातार घट रहा है. हर साल होने वाली बारिश लगातार कम हो रही है. बमपटाखों से निकलने वाली गैसों से आसमानी छतरी में छेद हो गया है.''

जौय हंसने लगा और बोला, ''इंसानों के पास तो मैं

ने छतरी देखी है, लेकिन आसमान में भी एक छतरी है, हाहाहा...''

मोमो ने जौय की ओर ध्यान नहीं दिया. वह लगातार बोलता ही जा रहा था.

उस ने आगे कहा, ''यह छतरी धरती पर सूरज की सीधी किरणों को वायुमंडल में प्रवेश करने से रोकती है. यह धरतीवासियों की सुरक्षा की छतरी है. जिसे ओजोन परत कहते हैं. इस के अलावा हम ग्लोबलवार्मिंग का भी सामना कर रहे हैं. सर्दियों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है. क्या आप नहीं जानते?''

जौय बीच में ही बोल पड़ा, ''महाराज, मोमो बहुत चालाक है. अब यह आप को कहानी सुनाने लगा है. इस ने बैठक में भी कई जानवरों को बहलाफुसला लिया था. इस की बात मत सुनो.''

फुरू ने कहा, ''मुझे लगता है यह अपनी जान बचाने का कोई तरीका खोज रहा है. आप के भूखे रहने से क्या मतलब है?''

लकी ने फुरू से कहा, ''रुको, यह मुझे नई बात बता रहा है,'' और फिर उस ने मोमो से बात की, ''मुझे बताओ कि यह सब मेरे भोजन से कैसे संबंधित है? मुझे क्यों चिंतित होना चाहिए? तुम जो मुझे बता रहे हो वह दिलचस्प लग रहा है.''

''जब हम पटाखे फोड़ते हैं, तो हवा में प्रदूषण बढ़ जाता है. वायु प्रदूषण फसलों और पेड़ों को नुकसान पहुंचा सकता है. यदि पेड़ नहीं होंगे तो छोटे जानवरों को भोजन नहीं मिलेगा और वे मर जाएंगे. यदि छोटे जानवर नहीं होंगे तो आप के पास भोजन भी नहीं होगा,'' मोमो ने बताया.

हर किसी को मोमो की बात अनोखी लग रही थी. मोमो ने लंबी सांस ली और फिर बोला, '' वायु प्रदूषण के कारण कार्बन डाइऔक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि होती है और यह पृथ्वी के वायुमंडल में सूर्य से गरमी पा कर जलवायु को गरम करने का कारण बनती है. गरम और ठंडे मौसम में बदलाव के पीछे यही कारण है, जिस के बारे में मैं ने पहले बताया था.''

लकी ने पूछा, ''बदलाव? कौन सा बदलाव?''

मोमो ने बताया, ''जैसे अधिक गरमी का होना. अधिक बारिश या सूखा पड़ना, बेमौसम बारिश का होना. कहीं बहुत बारिश होना तो कहीं एक बूंद का न गिरना. नईनई बीमारियां और महामारियों का फैलना, आदि.''

लकी ने पूछा, ''ओह, लेकिन यार, यह तो बता कि

बमपटाखों से ओजोन परत का क्या संबंध है?''

मोमो बोला, बमपटाखें हम सब के लिए खतरनाक हैं. जब इन्हें जलाया जाता है तो इन से कई गैसें निकलती हैं. वे गैसें वायुमंडल का तापमान गड़बड़ कर देती हैं, प्रदूषण बढ़ता है और उस से ओजोन परत को नुकसान पहुंचता है.''

लकी बोला, ''मैं समस्या को समझता हूं, लेकिन मेरे भूखे रह जाने का क्या मतलब है?''

मोमो ने कहा, ''पटाखे हम सभी के लिए हानिकारक हैं. इन्हें जलाने पर इन से जहरीली गैसें निकलती हैं. वे हमारा संतुलन बिगाड़ती हैं.

लकी ने बोला, ''मैं समस्या को समझता हूं, लेकिन क्या आप को यकीन है कि मैं भूखा रहूंगा.''

मोमो ने कहा, ''हमारा जीना मुहाल हो जाएगा. घास के हरेभरे वृक्ष झुलस कर सूख जाएंगे, बारिश नहीं होगी. शाकाहारी जीव बिना घासपात के मर जाएंगे. जब शाकाहारी जीव ही नहीं रहेंगे तो आप मांसाहारी भोजन कैसे कर पाएंगे?''

सब सोचने लगे. चारों तरफ सन्नाटा पसर गया था.

मोमो ने सभी से पूछा, ''क्या आप घास खाएंगे? घास भी कहां से खाओगे? जब बारिश ही नहीं होगी तो घास कहां उगेगी, नदियां सूख जाएंगी तो बिना पानी के कितने दिन रहोगे?''

लकी गुर्राया, ''अब मैं समझ गया. तुम मेरे साथ क्यों नहीं रह जाते?''

फुरू बीच में ही बोल पड़ा, ''मैं आप को हर बार नई जानकारी देता रहता हूं. मेरा क्या होगा?''

लकी दहाड़ा, ''चुप रहो, तुम और जौय अभी जाओ और सब को समझाओ. हम इंसानों को पटाखे जलाने से तो रोक नहीं सकते, लेकिन खुद तो ऐसा करने से दूर रह सकते हैं.''

फुरू और जौय वहां से चले गए और लकी भी अपनी गुफा में चले गए.

सुलझाएं

आप कितने दीयों की गिनती कर सकते हैं?

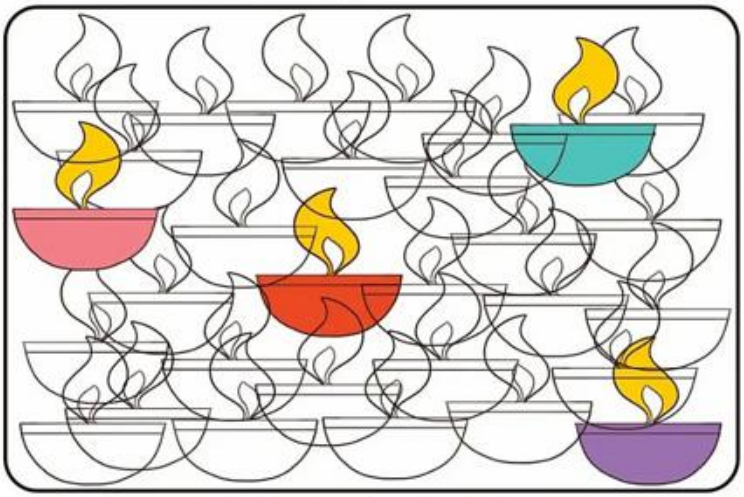

कौलम का मिलान करें. कौन से हिस्से लालटेन को बनाते हैं?

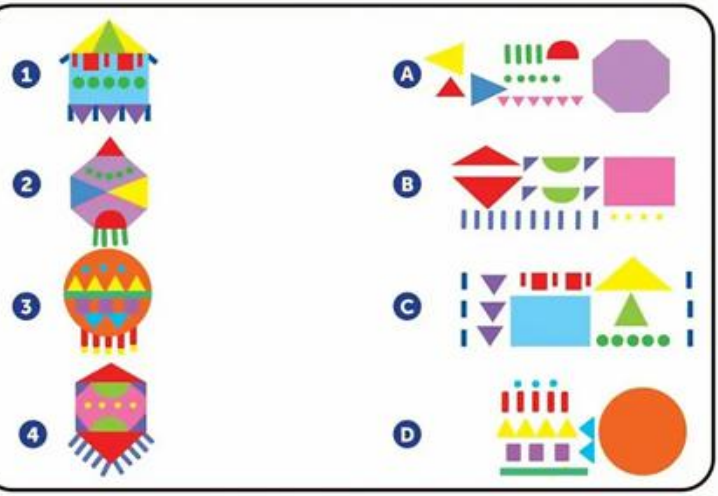

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

चीकू
चित्रकथा : दास
चीकू और मीकू एक ट्रिप पर गए थे.
वाउ, यह जगह तो बहुत ही खूबसूरत है.
चलो, हम इस पत्थर पर बैठते हैं और थोड़ा आराम कर लेते हैं.
मैं इस जगह की खूबसूरती से इतना ज्यादा प्रेरित हो गया हूं कि अब एक कविता लिखने के बारे में सोच रहा हूं.
हां, ठीक है, शुरू हो जाओ.
प्यारा आसमान, ठंडी हवा के झोंके, बहती कलकल करती नदी...
और उस के बाद?
मैं इस के आगे की लाइन बिना एक अच्छी, सुरीले, तुकबंदी शब्द के सोच नहीं सकता.
अगर तुकबंदी न हो तो कविता का क्या मतलब रह जाता है?
ठीक है, मुझे सोचने दो.

ठीक है, सोचते रहो, तब तक मैं थोड़ा खाना ले कर आता हूं.
चीकू ने जंगल में खाना तलाशना शुरू किया.
वहां उस सेब के पेड़ पर सिर्फ सेब ही हैं. इस के अलावा मैं और कुछ नहीं ढूंढ़ सकता हूं.
अब तो हमें सेब खा कर ही रहना होगा.
बिल्ली ने मीकू का गिरेबान पकड़ा और ऊपर उठा लिया.
वाउ, मैं महसूस कर रहा हूं कि मैं हवा में तैर रहा हूं.
अब तुम मेरे पेट में जाने वाले हो और पचने वाले हो.
कौन है? ओह, प्यारी, बिल्ली, बचाओ.
अरे, यह तो मीकू की आवाज है.
वह बिल्ली मीकू को खाने जा रही है. मुझे उसे अवश्य बचाना चाहिए.
चीकू ने एक सेब बिल्ली पर जोर से दे मारा.
आउच, मेरा सिर.
बिल्ली बेहोश हो गई है, इसलिए अब क्या तुम अपनी कविता पूरी करोगे?
कविता भूल जाओ. चलो, भागो, हम अपनी जान बचाएं.

बिंदु मिलाओ

अंकों के अनुसार बिंदुओं को मिलाएं और चित्र को पूरा करें.

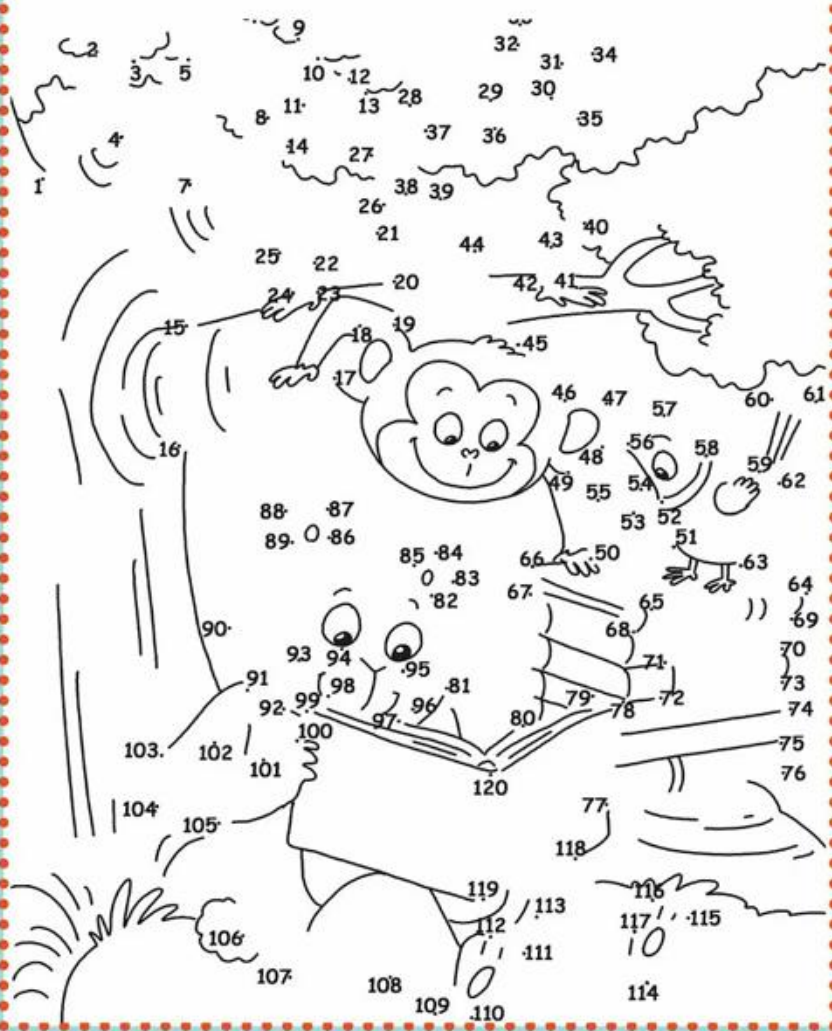

गाजर चोर

कहानी ● राजेश कुमार

तापुर जंगल के राजा शेरसिंह ने अचानक आपात मीटिंग बुलाई थी. सब के मन में एक ही सवाल था कि राजा ने यह मीटिंग क्यों बुलाई है? थोड़ी देर में राजा के आने की घोषणा हुई और इतना सुन कर सब खड़े हो गए. राजा दरबार में पहुंचे और उन के सिंहासन पर बैठते ही सब अपनीअपनी आसनों पर बैठ गए.

राजा ने बोलना शुरू किया, ''आप सब यह सोच रहे होंगे कि मैं ने इतने कम समय में आप को एकत्रित होने के लिए क्यों कहा, तो सुनिए जैसा आप को पता है कि हमारी राजकुमारी को गाजर खाना बहुत पसंद है, लेकिन करीब एक महीने से हमारे खेत में से कोई गाजर चुरा कर ले जा रहा है. कल तो चोर कुछ ज्यादा ही गाजर चुरा कर ले गया, जिस से राजकुमारी को अब गाजर खाने को कुछ नहीं बचा है.''

इतना कह कर राजा थोड़ा चुप हुए और फिर बोले, ''हमें यह कहने में बड़ी शर्म महसूस हो रही है कि हमारी इतनी बड़ी सेना भी अपराधी को पकड़ने में असफल रही है.''

थोड़ी हिम्मत कर के कमांडर हिप्पो घोड़ा खड़ा हुआ और सिर झुका कर बोला, ''महाराज, हमें माफ

करें, लेकिन आप जानते हैं कि हम ने उस चोर को पकड़ने की काफी कोशिश की, फिर भी वह हर बार हमारी पकड़ से बाहर हो जाता है. वह चालाक ही नहीं बहुत शातिर है.''

राजा अपने कमांडर की बातों से संतुष्ट नहीं था. वह बोला, ''यदि हमारी सेना उस चोर को नहीं पकड़ पा रही है तो मैं अब घोषणा करता हूं कि जो कोई भी उस चोर को पकड़ने में हमारी मदद करेगा उसे उचित इनाम दिया जाएगा.''

राजा अपने सिंहासन से उठा और कमांडर की तरफ देख कर बोला, ''इस की घोषणा पूरे ताजपुर जंगल में करा दी जाए,'' इतना कह कर वह अपने महल की तरफ चला गया.

कमांडर हिप्पो ने तुरंत पूरे जंगल में घोषणा करवा दी. सारे जंगल के जानवर उस चोर को पकड़ कर अपने राजा द्वारा इनाम दिए जाने के बारे में सोच रहे थे और अब जंगल में चर्चा का विषय वह चोर ही था.

जंगल के आखिर में स्पार्कल्स कुत्तिया रहती थी. उस का पति शहर में कमाने गया था और उस का एक बेटा था बंटी, जो सारा दिन सोता रहता था. स्पार्कल्स घर के अंदर जा कर बोली, ''बंटी, उठ जाओ सुबह हो गई है,''

उस ने बंटी को जगाया, ''बंटी, तुम सारा दिन सोते रहते हो, यह अच्छी बात नहीं है. देखो, तुम कुछ कामधाम तो करते नहीं और निट्ठले सोते रहते हो,'' वह फिर बोली, ''अपने दोस्त ब्राउनी को देखो, वह कमा कर लाने लगा है.''

बंटी को आज मां की बात चुभ गई थी. वह खड़ा हो कर बोला, ''मां, आज से मैं भी आप को अच्छा बन कर दिखाऊंगा,'' इतना कह कर वह घर से बाहर निकल गया.

वह सीधा अपने दोस्त सोनू गिलहरी के पास पहुंचा . उसे उदास देख सोनू बोला, ''अरे, क्या बात है बंटी, तुम उदास हो, कुछ हुआ है क्या?''

बंटी बोला, ''सोनू, हमें भी कुछ काम करना चाहिए, जिस से कि हमारे मांबाप का नाम रोशन हो, क्योंकि मां भी मेरी कामचोरी से तंग आ चुकी हैं, लेकिन हम करेंगे क्या?''

इस पर सोनू बोला, ''बस, इतनी सी बात है, तुम ने राजा की घोषणा नहीं सुनी कि जो कोई उन के

राजमहल के खेत की गाजर के चोर को पकड़ेगा, उसे इनाम दिया जाएगा,'' बंटी एक बार तो खुश हुआ, लेकिन अगले ही पल वह उदास होते हुए बोला, ''सोनू, जिस चोर को राजमहल के सिपाही नहीं पकड़ पाए, उसे हम कैसे पकड़ेंगे?''

इस पर सोनू बोला, ''प्रयास करने में क्या जाता है,'' बंटी ने कहा, ''तो आओ, आज से हम उस चोर को पकड़ने की तिकड़म लड़ाते हैं.''

वे दोनों राजमहल के खेतों में पहुंचे. बंटी ने वहां के सिपाहियों से बात की तो उसे पता चला कि सिपाही सारी रात पहरा देते हैं, लेकिन सुबह देखते हैं तो खेतों से गाजर गायब मिलते हैं, जबकि उन के सामने न कोई आता है और न ही कोई जाता है.

बंटी ने खेतों का जायजा लिया तो देखा कि चोर पत्तों को ऐसे ही छोड़ जाता था और केवल गाजर ही ले जाता था. उस की समझ में आ गया कि चोर जानवर कौन था लेकिन वह उसे किसी दूसरे तरीके से पकड़ना चाहता था.

वह सोनू को ले कर पंसारी की दुकान पर गया. उस ने वहां से कुछ खरीदा और उसे ले कर वापस राजा के गाजर के खेतों में पहुंचा. उस ने गाजर के खेतों में कुछ किया और सोनू को ले कर वापस अपने घर की तरफ चल दिया.

रास्ते में सोनू ने बंटी से पूछा, ''तुम ने पंसारी कि दुकान से क्या खरीदा और उस का गाजर के खेतों में क्या किया?''

बंटी बोला, ''तुम सुबह देखना चोर खुद बोलेगा की मैं ने चोरी की है.''

सोनू कुछ समझ नहीं पा रहा था, जबकि बंटी मंदमंद मुसकरा रहा था.

बंटी सुबह होते ही सोनू के घर पहुंचा और उसे ले कर डाक्टर दीनू बकरे के क्लिनिक के सामने छिप कर बैठ गया. सोनू से रहा नहीं गया. वह बोला, ''बंटी, वहां क्या हो रहा है? मेरी तो कुछ समझ में नहीं आ रहा है.''

बंटी ने उसे चुप रहने को कहा और बोला, ''थोड़ी देर में चोर यहां अपना इलाज कराने आने वाला है.''

कुछ देर इंतजार करने पर बंटी ने सोनू को इशारा

कर के बताया, ''वह देखो, चोर,'' सोनू ने उत्सुकता से देखा तो पाया की रोबी खरगोश अपना पेट पकड़े तेजी से डाक्टर दीनू के क्लिनिक में घुसा. वे दोनों भी तुरंत अंदर गए और उसे पकड़ कर राजा के दरबार में ले गए.

बंटी बोला, ''महाराज, यह रहा आप का गाजर का चोर,'' राजा हैरान था, उस ने बंटी से पूछा, ''तुम ने एक दिन में ही इस को पकड़ लिया, लेकिन यह कैसे साबित होगा कि यही गाजर चोर है.''

बंटी बोला, ''महाराज, इस के 3 सुबूत हैं, पहला, गाजर खरगोश का पसंदीदा भोजन है, दूसरा, खेतों में कड़ा पहरा होते हुए भी कोई आप की गाजरों को चुरा लेता था और पत्तों को वहीं छोड़ देता था. यह तभी हो सकता है जब कोई उन्हें जमीन के नीचे से रास्ता बना कर चुराए और आप जानते हैं कि खरगोश ही जमीन के अंदर रास्ता बना सकता है और अंत में यह कि रोबी दीनू के क्लिनिक में अपना पेट पकड़े इसलिए खड़ा था, क्योंकि मैं ने रात को गाजरों पर दस्त की दवा छिड़क दी थी और उन्हीं गाजरों को खाने से इस का पेट खराब हुआ. मैं कल दवा खरीद कर लाया था. यह आप पंसारी से पता कर सकते हैं. मैं समझ तो गया था कि यह चोर रोबी ही है, लेकिन मैं उसे रंगेहाथ पकड़ना चाहता था.

राजा की एक गर्जना से ही रोबी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया. कमांडर ने भी चैन की सांस ली.

राजा ने उसे इनाम दिया और अपने महल में बंटी को विशेष जासूस की नौकरी भी दे दी. सोनू को सबकुछ समझ आ गया था.

बंटी को भी अपनी नौकरी से प्यार था और उसे कमांडर हिप्पो के साथ काम करने में मजा आया. ●

दीवाली लैंटर्न

द्वारा - देविका मेनन

स्मार्ट

इस लैंटर्न यानी कंदील को बनाएं और 4 नवंबर को दीवाली उत्सव को मनाएं.

आप को चाहिए : पेपर कप, कलर शीट्स, धागे, कैंची, ग्लू, पिन, मनके (दाना).

ऐसे बनाएं :

1. पेपर कप को माप लें और उसी के आकार के कलर शीट्स से दो पट्टियां काट लें.

2. पेपर कप के ऊपर पट्टियों को ग्लू लगा कर चिपका दें.

3. पीली और औरेंज शीट्स से कुछ दीए काट लें और पेपर कप के ऊपर उन्हें ग्लू लगा कर चिपका दें.

4. मनकों यानी मोती दानों से कप को सजा लें और तल पर पेपर की छोटी पट्टियां ग्लू लगा कर चिपका दें.

5. पिन का इस्तेमाल करते हुए ऊपर की ओर एक छेद कर दें और इस से एक धागा पिरो कर निकाल दें. धागे को निश्चित करने के लिए एक गांठ लगा दें.

अब आप का दीवाली लैंटर्न यानी कंदील बन कर तैयार है.

अपने घर पर इसे स्वयं ही बनाने की कोशिश करें. हमें अपनी प्रविष्टि writetochampak@delhipress.in या एक फोटो खींच कर +91 8657402248 पर भेज दें.

इस चित्र में कुछ हिस्से खाली रह गए हैं. चित्र को देखें, उन्हें पूरा करें और फिर इन में रंग भरें.

चित्र पूरा करें

आप के सवाल मेनका आंटी के जवाब

मेनका आंटी पशुपक्षियों से बहुत प्यार करती हैं. अब आप के सवालों का जवाब मेनका आंटी देंगी. जैसे पशुपक्षियों को खाना कैसे खिलाएं, उन से कैसे प्यार करें, कैसे उन की देखभाल करें आदि. वे एक सांसद तो हैं ही, कुशल पर्यावरणविद् भी हैं.

जानवर हमारी धरती के निवासी हैं, जितना कि हम हैं. हम उन का शिकार न कर या उन के अंगों का इस्तेमाल न कर उन का सम्मान करते हैं, तो हम अपने ग्रह और प्रकृति के प्रति सम्मान दर्शाते हैं. जिन पशुओं तथा जानवरों को हम पालतू जानवर के रूप में रखते हैं, वे पूरी तरह से हम पर निर्भर रहते हैं और उन्हें वैसे ही प्यार और सम्मान देना चाहिए जैसे हम अपने भाईबहनों को देते हैं. पक्षियों और मछलियों को पालतू जानवर के रूप में न रखें, उन्हें पिंजरे में कैद करना और दयनीय बनाना अच्छा नहीं है.

मेनका संजय गांधी

मेरे एयरकंडीशनर के एग्जौस्ट के पास ही कबूतर क्यों बैठा करते हैं? मैं क्या कर सकती हूं?

रिया सिक्चीरा, 11 वर्ष, मुंबई

इस एरिया में कबूतर खुद को सुरक्षित और शिकारियों की पहुंच से महफूज महसूस करते हैं, इसीलिए वे एसी के आउटलेट्स बंद बालकनी, ऊंची खिड़कियों के कगार पर बैठना पसंद करते हैं. ऐसे पक्षी जो अंडे देने के लिए सूखे आश्रयस्थल को तलाश रहे होते हैं, कभीकभी खिड़की के एसी के चारों ओर घोंसले भी बना लेते हैं. वे उन्हीं घरों में आते हैं जो शांत होते हैं, उन से छुटकारा पाने के बारे मत सोचो. तुम्हारे पास तो एक घर है, उन के पास कुछ नहीं है. तुम्हें अपनी खिड़की के पास जगह की जरूरत नहीं है. इसलिए उन्हें वहां शांति से रहने दो.

मेरा पालतू कुत्ता पैडिगिरी खाना पसंद नहीं करता है. मैं जो खाना खाती हूं उसे वह खाना चाहता है और वह पूरा टमाटर भी खा जाता है. क्या मुझे चिंतित होना चाहिए?

रश्मि, 11 वर्ष, दिल्ली

डब्बाबंद खाना जानवरों के खाने के लिए अच्छे नहीं होते हैं. उन्हें ताजा पका खाना दिया जाना चाहिए. जब तक टमाटर पूरी तरह से पक न जाएं तब तक कुत्तों के लिए वे नुकसानदेह नहीं होते. अधपके टमाटर घातक हो सकते हैं. अपने कुत्ते को चावल, दाल, कद्दू, और लौकी जैसी कुछ सब्जियां मिला कर बनी हुई खिचड़ी खाने को दें. आप इस के ऊपर दही भी डाल सकते हैं.

यदि आप पालतू जानवरों, पशुपक्षियों के बारे में कुछ भी पूछना चाहें, तो अपने प्रश्न हमें भेजें, मेनका आंटी हर प्रश्न का जवाब देंगी.

writetochampak@delhipress.in

8657402248

दादाजी और बाल दिवस

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती

रिया और राहुल दादाजी के कमरे में गए.
दादाजी, आज कौन सा दिन है?
बेटा, आज रविवार है.
सिर्फ यही नहीं दादाजी, आज हम खुश क्यों हैं?
क्योंकि आज छुट्टी का दिन है.
दादाजी, आप कुछ भूल रहे हैं.
बच्चो, मुझे सबकुछ याद है. आज 14 नवंबर को बाल दिवस है.
हां, और आज हमारे भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन भी है.
और इसी वजह से बाल दिवस मनाया जाता है.
वाउ, तुम दोनों तो बाल दिवस के बारे में बहुत कुछ जानते हो लेकिन क्या तुम यह भी जानते हो कि 1964 के पहले भारत में 20 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता था.
20 नवंबर को?

हां, 1954 में पहला सार्वभौमिक यानी विश्वस्तरीय बाल दिवस 20नवंबर को मनाया गया था ताकि बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की पहुंच बनाने, इन के लिए एक आनंदपूर्व और सुरक्षित स्कूल का माहौल बनाने, इसे बढ़ावा देने के लिए जागरूकता पैदा की जा सके.
तो फिर इसे 14 नवंबर को अब क्यों मनाया जाने लगा है, दादाजी?
दादाजी, मैं ने पढ़ा है कि जवाहर लाल नेहरू बच्चों को प्यार करते थे और चाहते थे कि उन का बचपन पूर्ण हो और ये उच्च शिक्षा पा सकें.
1964 में जवाहर लाल नेहरू की मृत्यु के बाद, बच्चों के प्रति उन के प्रेम को देखते हुए, यह निर्णय किया गया कि भारत में उन के जन्मदिन को 14 नवंबर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा.
हां और इसीलिए उन्हें चाचा नेहरू के रूप में भी जाना जाता है.
इस का मतलब यह हुआ कि हम दोनों ही दिन बाल दिवस मना सकते हैं और बहुत दावतें उड़ा सकते हैं.
SONAL

अंतर बताओ

यहां 10 गलतियां हैं. आप उन गलतियों को ढूंढ़ कर बताएं.

हमारा और उन का श्वसनतंत्र

मनुष्य और सभी जीवित प्राणियों के श्वसनतंत्र होते हैं जिस से हम सांस लेते हैं हालांकि हमारे उलट मरीन फ्लैटवौर्म यानी समुद्री चपटीकृमि बिलकुल भी सांस नहीं लेते. वे अपनी त्वचा से सीधे औक्सीजन सोखते हैं और उन के पास फेफड़े नहीं होते हैं या एक श्वसन तंत्र नहीं होता है.

मरीन फ्लैटवौर्म समुद्री तितली के रूप में भी जानी जाती हैं, वे चमकदार रंगों के होते हैं, हालांकि वे रंग नहीं देखते हैं क्योंकि उन के पास आंखें नहीं हैं और उन के पास कोशिकाएं पर पैच यानी धब्बे होते हैं जो प्रकाश और ध्वनि का पता लगाते हैं. वे मछलियों द्वारा शिकार बनती हैं लेकिन फ्लैट यानी चपटे होने के कारण आसानी से छोटी दरारों में सिकुड़ कर घुस जाते हैं. उन में से कुछ तो अपने बचने की संभावना को बढ़ाने के लिए छलावा भी करते हैं यानी दरारों वगैरह के रंग में ढल जाती हैं ताकि शिकारी भ्रमित यानी कन्फ्यूज हो जाएं.

इन जीवों की लंबाई कहींकहीं पर 10 से 50 मिलीमीटर मापी गई है और मोटाई सामान्य रूप से 1 मिलीमीटर की होती है.

मरीन फ्लैटवौर्म की सब से बड़ी प्रजाति की लंबाई में 6 सेंटीमीटर तक बढ़ती है. उन में से ज्यादातर लंबे अंडाकार आकार के होती हैं.

कौन सी रंगोली किस की

दीवाली मनाने के लिए आर्यन, मीरा, चेतन और मानसी ने अलगअलग रंगोलियों को बनाए हैं. संकेतों को पढ़िए और पता कीजिए कि कौन सी रंगोली किस की है?

संकेत :

- आर्यन ने अपने रंगोली में सिर्फ लाल, बैंगनी और पीले रंगों का इस्तेमाल किया है.
- मीरा ने रंगों के साथ फूलों का भी इस्तेमाल किया है और अपनी रंगोली में दीयों को भी रखा है.
- मानसी ने एक से ज्यादा रंगोलियां बनाई हैं और हरेक में 4 त्रिभुज के आकार हैं.

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

बेकी और उस की सूंड़

कहानी ● विमल राय

वह एक खूबसूरत सुबह थी. बेकी हाथी चंपकवन की चंपा नदी की तरफ जा रहा था. वह बहुत उदास लग रहा था.

रास्ते में घोड़े घास के मैदान में दौड़ रहे थे, उन्हें देख कर बेकी ने सोचा कि वे कितनी आसानी से दौड़ते हैं और मैं इतना मोटा हूं कि तेज नहीं चल सकता. अपनी लंबी और भारी सूंड़ को देख कर उस ने खुद से कहा कि यह मेरे शरीर से अनावश्यक रूप से जुड़ी हैं, जो मेरे तेज दौड़ने में बाधा बनती है.

वह थोड़ी दूर गया तो एक बाघ पास आया.

बाघ ने बेकी को उदास देखा और उस से पूछा, ''हाय बेकी, क्या सब ठीक है?''

गोलू ने उसे नजरअंदाज किया और बोला, ''हम्म...''

बाघ वहां से चला गया. बेकी ने फिर सोचा, 'बाघ कितना सुंदर है. उस के शरीर पर धारियां हैं, जो उसे आकर्षक बनाती हैं. वह लंबी छलांग लगा सकता है जबकि मैं मुश्किल से अपने भारी पैरों को उठा पाता हूं.'

आगे जा कर उस ने देखा कि तोते आसमान में उड़ रहे हैं. यह देख कर उसे और भी दुख हुआ. उस ने सोचा, 'आकाश में सभी पक्षी उड़ सकते हैं, वे पेड़ की डाल पर बैठ सकते हैं जबकि मैं इतना भारी हूं कि पेड़ पर चढ़ने के बारे में सोच भी नहीं सकता.'

वह चंपा नदी के किनारे पर पहुंचा. नहाने के बाद जब वह नदी से बाहर आया तो उस ने देखा कि एक कोयल नदी के किनारे पास ही एक पेड़ पर खुशी से गा रही है.

उदास हो कर उस ने कोयल से पूछा, ''तुम इतनी खुश कैसे रहती हो? इतना अच्छा कैसे गाती हो?''

कोयल बोली, ''जब मैं गाती हूं, तो वे सभी जो मुझे सुन रहे हैं, खुशी का अनुभव करते हैं और इस से मुझे भी प्रसन्नता होती है.''

बेकी उदास हो कर बोला, ''मेरे पास तुम्हारी मीठी आवाज जैसी और उड़ने की कला नहीं है. इसलिए मैं तुम्हारी तरह किसी को खुश नहीं कर सकता.''

कोयल ने कहा, ''अरे, चलो बेकी, तुम दुखी क्यों होते हो? तुम हाथी हो, तो तुम में हाथी के गुण होंगे न?''

बेकी ने कोयल को अजीब तरह से देखा.

कोयल ने कहा, ''तुम्हारा दुख दूर हो जाएगा, यदि तुम उस पर ध्यान दोगे जो तुम्हारे पास है न कि जो तुम्हारे पास नहीं है.''

बेकी बोला, ''लेकिन मैं बहुत मोटा हूं, इस के अलावा मेरी सूंड़ के रूप में एक लंबी अनुपयोगी नाक है, जो मुझे बहुत फनी लगती है.''

बेकी और कोयल की गंभीर बातचीत चल रही थी कि अचानक रौनी खरगोश तेजी से दौड़ता हुआ वहां आया. वह घबराया हुआ था.

रौनी ने कहा, ''बेकी, हमें आप की मदद की जरूरत है. हमारी कौलोनी में एक बहुत बड़ा पेड़ गिर गया है. कई परिवार और बच्चे इस की चपेट में आ गए हैं. वे बाहर नहीं निकल सकते और हम उन की मदद के लिए कुछ नहीं कर पा रहे हैं. यदि पेड़ को जल्दी नहीं हटाया गया, तो उन का दम घुट सकता है और मृत्यु हो सकती है. उस पेड़ को हटाने में केवल आप ही हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि कोई और इतना शक्तिशाली नहीं है कि उस विशाल पेड़ को हिला सके.''

बेकी यह सुन कर हैरान रह गया कि कोई और यह नहीं कर सकता, उस ने तुरंत कहा, ''चिंता मत करो रौनी. चलो, तुम्हारी कौलोनी में चलते हैं.''

वे जल्द ही उस जंगल में पहुंचे और बेकी ने अपने पैरों से उस पेड़ को जोर से धक्का दिया और अपनी सूंड़ से पेड़ को उठा कर सुरक्षित स्थान पर रख दिया.

खरगोश कौलोनी के सभी निवासियों को बचाया गया. बच्चे खुशी से घर से बाहर भाग गए और अपने मातापिता के गले लग गए.

रौनी बेकी की तरफ मुड़ा और बोला, ''धन्यवाद बेकी, केवल आप ही हैं, जो इस भारी पेड़ को इतनी जल्दी कहीं और रख सकते हैं वरना अपने परिवारों को बचाने के लिए उस पेड़ को हटाने में हमें घंटों लग जाते.''

कोयल ने सीटी बजाई और बोली, ''बेकी, तुम कहते हो कि तुम्हारी सूंड़ बेकार है. लेकिन मेरी मधुर आवाज की तरह ही तुम्हारे व्यक्तित्व को यह निखारती है. मैं मीठा गा सकती हूं, मैं उड़ सकती हूं, लेकिन उस पेड़ को हिला नहीं सकती. उसी तरह तुम मेरी तरह गा या उड़ नहीं सकते, लेकिन तुम्हारा भारीभरकम शरीर और लंबी सूंड़ इतनी मजबूत है कि किसी भी भारी चीज को उठा सकते हो. देखो, तुम्हारी सूंड़ ने खरगोश कौलोनी के कई जानवरों की जान बचाई है.''

बेकी ने महसूस किया कि कोयल उसे समझाने की कोशिश कर रही है. उस ने कहा, ''मुझे बहुत खुशी हो रही है कि खरगोश कौलोनी के सभी निवासी सुरक्षित हैं. आज मैं समझ गया कि मेरी सूंड़ कितनी कीमती है.

कोयल ने कहा, ''हां, खुद की तुलना किसी और से कर के दुखी होने के बजाय जो हमारे पास है उस से ही खुश रहना चाहिए और दूसरों को खुश करना चाहिए.''

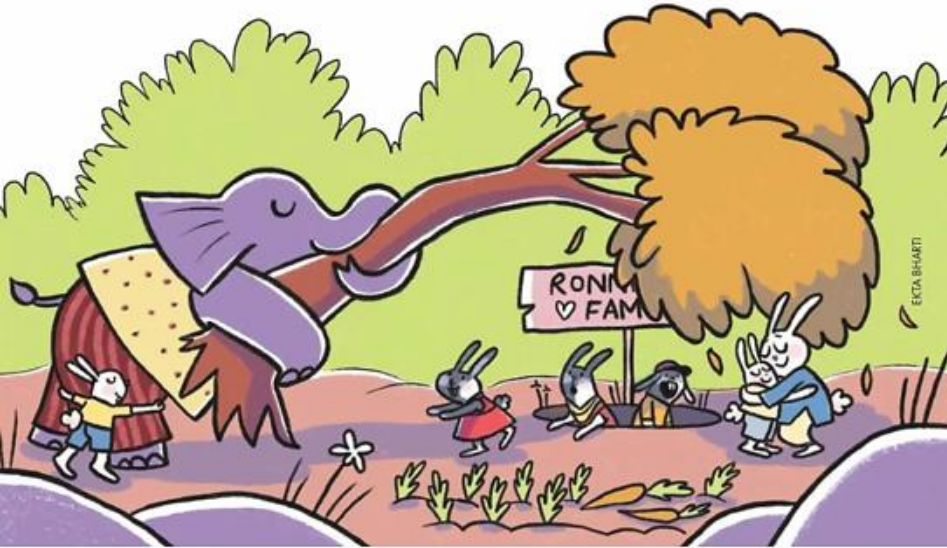

याददाश्त बढ़ाएं

भारत में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 11 नवंबर को मनाया जाता है. चित्र को देखिए और निम्नलिखत प्रश्नों के उत्तर दीजिए.

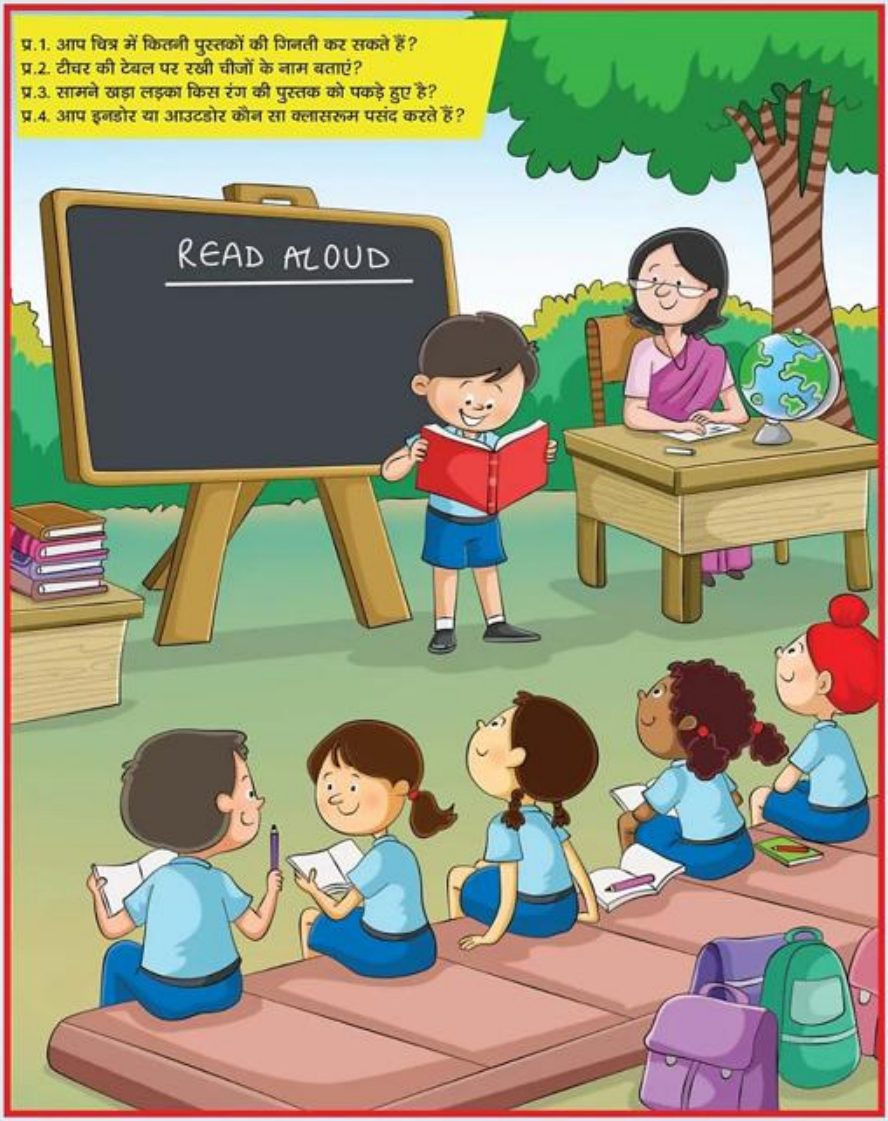
प्र.1. आप चित्र में कितनी पुस्तकों की गिनती कर सकते हैं?
प्र.2. टीचर की टेबल पर रखी चीजों के नाम बताएं?
प्र.3. सामने खड़ा लड़का किस रंग की पुस्तक को पकड़े हुए है?
प्र.4. आप इनडोर या आउटडोर कौन सा क्लासरूम पसंद करते हैं?
READ ALOUD

नन्ही कलम से

वैशिष्या सोलंकी, 10 वर्ष, गुजरात

सौनक सरकार, 9 वर्ष, बैंगलुरु

जब तक सफल न हों, कोशिश करते रहो

जब आप के सामने एक पहाड़ हो, जिस पर आप को चढ़ना है और आप इस पर चढ़ने के लिए पूरा दिलोदिमाग लगाने की इच्छा कर चुके हैं, तो फिसलने के बाद भी हार न मानो, तुम अगली बारी में सफल हो सकते हो. जब तक सफल न हो, कोशिश करते रहो, चाहे तुम्हें अपने जूतेजुराबें उतारनी पड़ जाएं और जब तुम चोटी पर पहुंचोगे, तो तुम्हें खजाना मिल जाएगा, सफलता पाने के लिए दिमाग की अवस्था अच्छी होनी चाहिए. ऐसा हो सकता है कि खजाना ऐसा कुछ न हो जिसे तुम माप सकते हो, खजाना शांति, उपलब्धि और खुशियों के रूप में भी हो सकता है. संघर्ष खोने के लिए न करो, जीतने के लिए करो, क्योंकि हर चीज में असफल होना पाप नहीं है. सड़क के दो किनारे होते हैं, एक ऊपर पहाड़ी की ओर और दूसरा नीचे ढलान की ओर, इसलिए निराश मत होना. क्योंकि पुरस्कार और उपलब्धियां हमेशा नहीं जीती जा सकती हैं, सब से मजबूत या सब से तेज आदमी द्वारा, जल्दी या बाद में, जो व्यक्ति जीतता है, वही व्यक्ति जीतता है जो इस के लिए सोचता है, वही सबकुछ पा सकता है.

अनुशा शुक्ला, 11 वर्ष, जबलपुर

अहा, प्रकृति

अहा, प्रकृति, धरती को हराभरा करती है. जब हम पौधे लगाते हैं, तो वह बढ़ती है और विश्व को एक नया जन्म देती है. आप अपने क्षेत्र में पक्षियों को रहने के लिए स्थान देते हो और आप अपने निकट अपने पालतू को लेटने दें, इन्हें अकेला न छोड़ें. अहा, प्रकृति, दयालु प्रकृति, आप और हमें जीने दे. आप हमें फलों की छाया देती हैं, यहां तक कि आप दुखी रहती हैं तब भी. अहा प्रकृति, रंगों से भरी प्रकृति, रंगीन फूलों से हमें रंग दो, जो हमारे दिलों में समा जाती है और हमें सुडौल बोवर यानी कुंजों तक ले चलिए. अहा प्रकृति, खूबसूरत प्रकृति धरती को आप ने हराभरा कर दिया है. जो यहां फलाफूला है, बड़ा हुआ है और विश्व को एक नया जन्म दिया है.

रानिशा मित्रा, 12 वर्ष
कोलकाता

क्षितिज पेटकर, 8 वर्ष
बैंगलुरु

धोखा मत दो

किसी को धोखा मत दो, यह तुम्हें भ्रष्ट बनाएगा. जब लोग बात कर रहे हों तो कभी भी बाधा मत डालो. दीवाली पर मैं मिठाइयां बांटता हूं, कभी धोखा मत दो. मैं शर्मीलापन महसूस नहीं करता हूं, यह बहुत खतरनाक बात है. कभी धोखा मत दो. मैं हमेशा पढ़ाई करता हूं, क्योंकि यही हमारी दोस्त है. मैं हमेशा सादा खाना खाता हूं, यह मेरे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है. हमारी दौलत क्या है, किसी को भी धोखा नहीं देना. अपनी सुरक्षा के लिए मैं कभी भी आग से नहीं खेलता हूं. मैं तनाव रहित हूं. मैं उदास नहीं हूं. एक खुशनुमा लड़का हूं. धोखा मत दो, यह तुम्हें करप्ट यानी भ्रष्ट बना देगा.

तनुष त्यागी, 8 वर्ष
ठाणे

रुजुल कुमार, 9 वर्ष
इंदौर

अस्मि त्यागी, 9 वर्ष, नोएडा

समुद्रतट

छुट्टियों के दिनों में समुद्रतट पर जाओ और सूरज की पहली किरण को हिट करो, समुद्र की लहरों की गर्जना सुनो, जब वे तट पर छपाक से आ कर टकराती हैं. खुद को गरमी से ठंडा करने के लिए नंगे पांव लहरों पर खड़े हो जाओ. अपने साथ स्वादिष्ट खाना ले जाना, जो खाने में स्वादिष्ट और चटपटी हो. ठंडी और शांत हवा को बहते हुए महसूस करना, जब हवा लहराते पत्तों से हो कर गुजरती हों. सभी चमकते और सुंदर सितुओं को जरूर देखना, जिन में से हरेक के पास बताने के लिए कोई न कोई कहानी है. समुद्रतट खुशी और मजे करने के स्थान हैं, एक बार अगर वहां चले आए तो इसे बहुत पसंद करने लगोगे, प्यार करने लगोगे.

आर सहाना, 11 वर्ष, चेन्नई

यह एक आइसक्रीम कोन है, इसे हमारी 6 वर्षीय पाठिका तिष्या मित्तल ने दिल्ली से हमें भेजा है.

अपनी चहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:

चंपक, दिल्ली प्रैस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई- 400031

writetochampak@delhipress.in 8657402248

www.facebook.com/ChampakMagazine

http://www.youtube.com/ChampakSciQ

हम आप को खाकी लौटा नहीं सकते इसलिए हमें भेजी खाकी की चड्डी अपने पास रखें.

स्वतंत्रता सैनानी

कहानी ● कुमुद कुमार

मायरा हथिनी और शिरो बछड़ा हरितवन में रहते थे और दोनों गहरे दोस्त थे. दोनों शरारती थे और जंगल में खूब मस्ती करते थे.

मायरा को पेड़ों की शाखाएं तोड़ना और हरीहरी टहनियां खाना बहुत पसंद था, जबकि शिरो जंगल की हरीभरी घास खा कर गोलमटोल हो गया था.

एक दिन दोनों मना करने के बावजूद जंगल के किनारे पहुंच गए. वहां वे यह देख कर हैरत में पड़ गए कि एक किसान दो बैलों की मदद से अपना खेत जोत रहा है. बैल पूरी ताकत से हल खींच रहे थे. वे दोनों हैरान हो कर बैलों को हल खींचते हुए देखने लगे.

"अरे मायरा, एक बात समझ में नहीं आ रही है कि

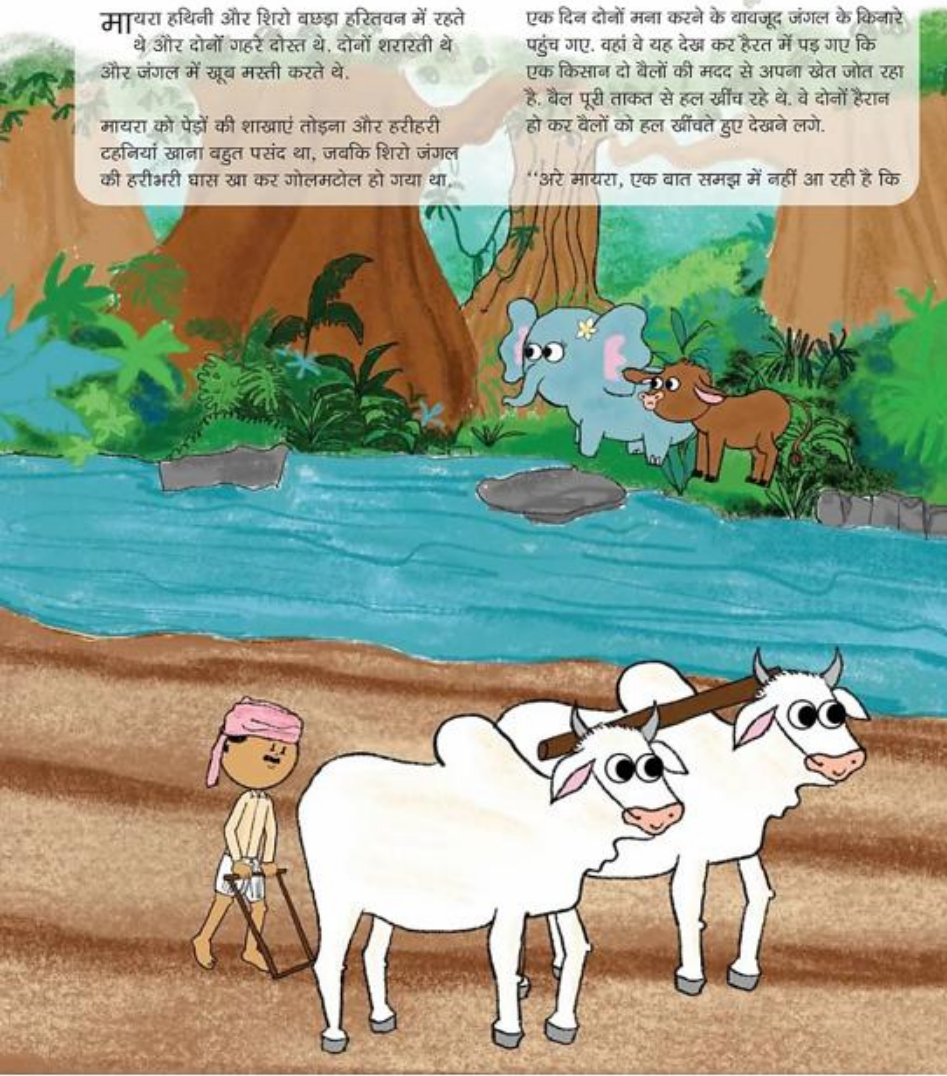

इतने ताकतवर हो कर भी ये बैल इस किसान के हल को क्यों खींच रहे हैं? क्या ये बैल इस किसान के गुलाम हैं?'' शिरो ने बड़े अचरज से पूछा.

''लगता तो ऐसा ही है शिरो, नहीं तो इतने ताकतवर होते हुए भी ये बैल इस हल को क्यों खींचते? चलो, घर चल कर मां से पूछते हैं. सही बात वे ही बता सकती हैं,'' मायरा ने कहा.

फिर दोनों घर वापस आ गए. जब मायरा की मां ने उस की बात सुनी तो बोलीं, ''मायरा, अब कभी उधर मत जाना. वहां इंसानों की बस्ती है. इंसान बड़े खतरनाक होते हैं. वे जंगली जानवरों को पकड़ कर पालतू बना लेते हैं. वे हाथियों के पैरों में जंजीर डाल कर उन्हें या तो चिड़ियाघर में रखते हैं या फिर सर्कस में नचाते हैं. उन से दूर ही रहना, वे हमारी आजादी छीन लेते हैं.''

शिरो की मां ने कहा, ''बेटा, तुम भी कभी उधर मत जाना. इंसान बैलों को गुलाम बना कर उन की नाक में नकेल डाल कर उन्हें काबू करते हैं और फिर वे उन से बोझा ढोने, हल चलवाने, कोल्हू घुमाने और बैलगाड़ी खिंचवाने जैसे भारी काम करवाते हैं. ऐसे भारी काम से बैलों के कंधे बहुत दुखते हैं. भूल कर भी इंसानों की बस्ती की तरफ मत जाना.''

अपनी मांओं की बातें सुन कर मायरा और शिरो चिंता में पड़ गए.

शिरो ने कहा, ''मायरा, इंसानों ने हमारे साथियों को गुलाम बना रखा है. मैं ने तो सोच लिया है कि हमें हर हाल में अपने उन बैल साथियों को आजाद कराना है. कितना कष्ट सहते हैं वे बेचारे.''

''शिरो, तुम ने बिलकुल सही कहा. तुम्हारी आजादी की इस लड़ाई में मैं भी तुम्हारे साथ हूं,'' मायरा ने शिरो का समर्थन करते हुए कहा.

तभी शिरो ने कुछ सोचते हुए कहा, ''लेकिन मायरा, ऐसे काम बनने वाला नहीं है. हमें अपने साथ कुछ

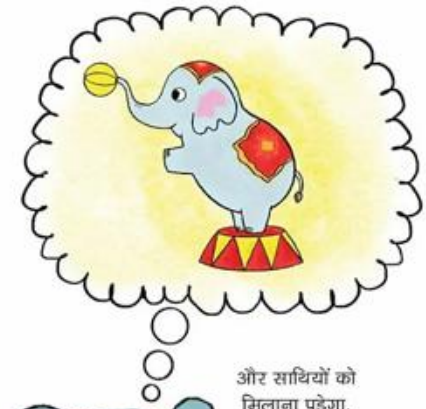

और साथियों को मिलाना पड़ेगा. आजादी की लड़ाई अकेले नहीं लड़ी जाती.''

''अरे शिरो, तुम तो बड़े समझदार हो. मैं तो अभी तक तुम को नादान बच्चा ही समझती थी,'' मायरा ने शिरो की तारीफ करते हुए कहा.

''मायरा, तुम्हें पता ही क्या है मेरे बारे में? कहो तो मैं दुनिया बदल कर दिखा दूं,'' शिरो ने अपनी शर्ट का कौलर ऊपर करते हुए बड़े घमंड से कहा.

शिरो और मायरा ने अपने साथ कुछ और साथियों को बुला लिया. फिर तो वे उन दोनों बैलों को आजाद कराने के लिए निकल पड़े. वे सब बड़े जोश में थे. शिरो नारे लगाता हुआ आगे बढ़ रहा था, शिरो ने जोरदार अंदाज में कहा, ''इंकलाब.''

सब ने उस के जवाब में कहा, ''जिंदाबाद.''

फिर तो वे 'इंकलाब जिंदाबाद, इंकलाब जिंदाबाद' के नारे लगाते हुए आगे बढ़ने लगे. शिरो तो कुछ ज्यादा ही जोश में था. वह तो अपने आप को जंगल का सुभाष चंद्र बोस ही समझ रहा था.

जैसे ही वे जंगल के किनारे पहुंचे, उन के नारे और बुलंद हो गए. मायरा सूंड़ उठा कर जोश में नारे लगाने लगी, आजादी.''

जवाब में साथी कहते, ''ले कर रहेंगे.''

बैलों और किसान को देख कर उन का जोश और बढ़ गया. शिरो और मायरा जोरजोर से बोलने लगे, ''जो हम से टकराएगा.''

उन के साथी कई गुना तेज आवाज में बोले, ''चकनाचूर हो जाएगा.''

किसान ने जब जंगली जानवरों की तेज आवाज सुनी तो वह घबरा गया. वह समझ गया कि कुछ जंगली जानवर उधर आ गए हैं, लेकिन शिरो और मायरा के जोश बढ़ गए. वे उत्साह से किसान की ओर बढ़ने लगे.

एक छोटी हथिनी और जंगली बछड़े को अपनी ओर बढ़ते देख किसान ने अपनी जान बचाने में ही भलाई समझी. उस ने सोचा कि हो सकता है इन छोटे जानवरों के पीछे कुछ बड़े जानवर भी हों. इसलिए वह अपना हल और बैल छोड़ कर गांव की तरफ दौड़ पड़ा. वह इतनी तेजी से डर कर भागा कि उस की धोती भी खुल गई, लेकिन डर के कारण किसान रुका नहीं. यह देख शिरो, मायरा और उस के साथियों की हंसी छूट गई.

किसान गांव की तरफ चिल्लाता हुआ भाग रहा था, ''बचाओ, बचाओ, जंगली बछड़ा, जंगली हथिनी, बचाओ... बचाओ...''

लेकिन आशावान ये छोटे स्वतंत्रता सैनानी तब हैरानी में पड़ गए, जब हल में जुते बैल भी हल छोड़ कर गांव की तरफ भागने लगे.

शिरो ने भागते हुए बैलों को आवाज दी, ''अरे बैलो,

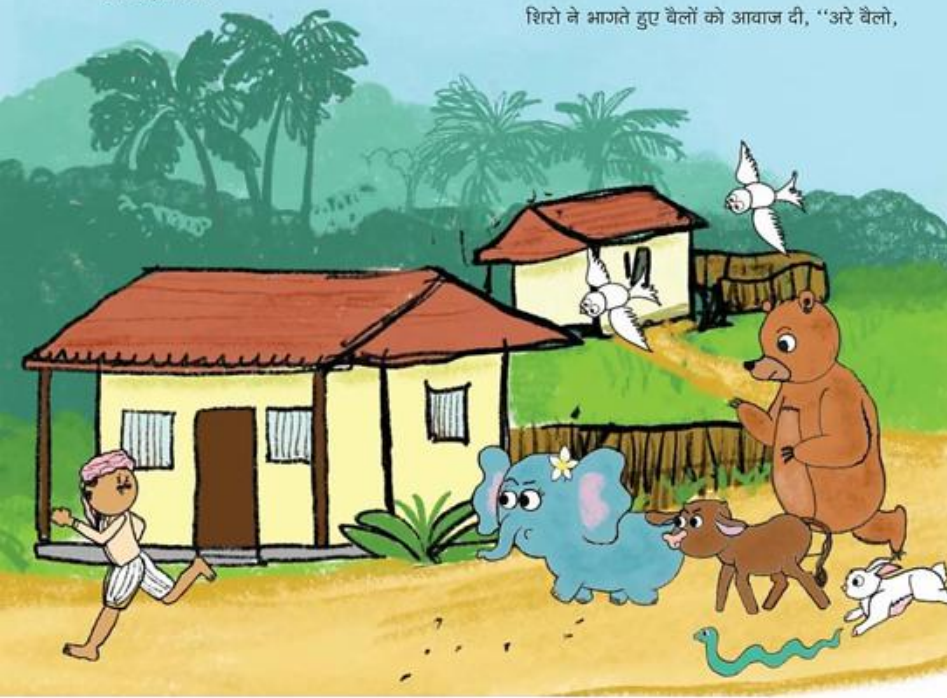

तुम हम से डर कर क्यों भाग रहे हो? हम तो तुम्हें आजाद कराने आए हैं, आजादी जिंदाबाद.''

लेकिन बैलों ने उन की एक न सुनी. वे भागते ही रहे. तब शिरो और मायरा ने उन्हें अपने साथियों की मदद से भाग कर पकड़ लिया.

शिरो ने उन से कहा, ''मेरे दोस्तो, हमें देख कर इंसानों का डर कर भागना तो समझ में आता है, लेकिन तुम हमें देख कर क्यों भाग रहे हो? तुम भी तो हमारी तरह पशु ही हो.''

उन बैलों में से एक बोला, ''हम भी तो अपने को तुम से बचाने के लिए ही दौड़ रहे हैं.''

''नहीं, नहीं, हम जंगल नहीं जाएंगे. वहां तो शेर, बाघ, तेंदुआ, लकड़बग्घा जैसे खतरनाक हिंसक जानवर रहते हैं. वे तो हमें मार कर खा जाएंगे,'' दूसरे बैल ने कहा.

''लेकिन तुम कम से कम वहां आजादी से तो रहोगे. हल में ऐसे तो नहीं जुतोगे,'' मायरा ने कहा.

''फिर भी मेरे दोस्त, हम वहां नहीं जाएंगे. हम हल चलाते हैं तो उस के बदले किसान हमें हरा चारा, दानापानी और आराम से रहने के लिए जगह देता है. हमें गरमी, जाड़े और बरसात से बचाता है. यही नहीं, वह हमें अपनी गौशाला में सुरक्षित भी रखता है,'' पहले बैल ने कहा.

''लेकिन तुम सुरक्षित कहां हो, भाई? तुम्हारा मालिक तो तुम्हें यहां छोड़ कर भाग खड़ा हुआ,'' शिरो ने तंज कसा.

''अरे वह भागा नहीं है. वह तो गांव वालों को बुलाने गया है, जिस से कि वह हम को तुम्हारे चंगुल से बचा सके. तुम जरा ठहरो, वह ग्रामीणों के साथ आता ही होगा. फिर अपनी खैर मनाना. उन के लाठीडंडों की मार से बचना,'' दूसरे बैल ने कहा.

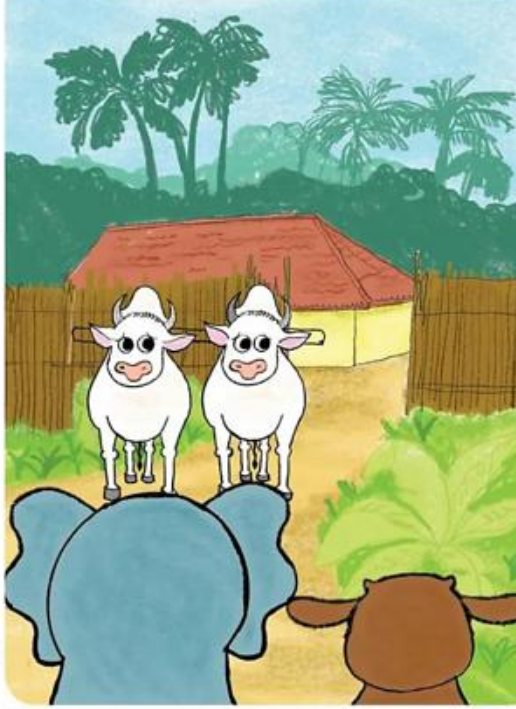

तभी मायरा और शिरो ने गांव वालों का शोर सुना. वे उन्हें डराने के लिए ढोल बजाते हुए, 'मारो, मारो,' का शोर मचाते हुए आ रहे थे. उन के हाथों में लाठीडंडे भी थे. अब तो मायरा और शिरो घबरा गए. उन के साथी तो पहले ही गांव वालों के हाथों में लाठीडंडे देख कर भाग खड़े हुए थे. अब वे क्या करें?

तब उन दोनों बैलों ने उन्हें समझाते हुए कहा, ''देखो, तुम दोनों भी यहां से जल्दी से भाग जाओ. अगर पकड़े गए तो एक हल में जुतेगा और दूसरी सर्कस में नाचेगी.''

यह सुन कर मायरा और शिरो घबरा गए, लेकिन अभी भी उन के अंदर कुछ हिम्मत शेष बची थी. वे बोले, ''लेकिन बैल भाइयो, तुम्हारी आजादी का क्या होगा?''

करो और आराम से रहो. तुम हमारी चिंता बिलकुल मत करो, लेकिन तुम अपनी जान बचाना चाहते हो तो जितना तेज दौड़ सकते हो दौड़ो क्योंकि गांव वाले लाठीडंडे ले कर बहुत नजदीक आ गए हैं.''

मायरा और शिरो ने गरदन घुमा कर देखा तो वे चौंक गए. सैकड़ों गांव वाले लाठीडंडे लिए उन के बेहद नजदीक आ गए थे. मायरा और शिरो पूरी ताकत से भागे, क्योंकि न तो मायरा सर्कस में नाचना चाहती थी और न ही शिरो हल में जुतना चाहता था. यहां तो दूसरों का आजाद कराने के चक्कर में उन की खुद की आजादी खतरे में पड़ गई थी.

बैल समझदार थे. उन्होंने कहा, ''बच्चो, तुम हमारी चिंता मत करो. सब के लिए आजादी का मतलब अलग होता है. तुम्हें जंगल की आजादी पसंद है तो हमें यही जीवन और आजादी पसंद है कि मेहनत

जब मायरा और शिरो अपनी जान बचाने के लिए गिरतेपड़ते भाग रहे थे, तब उन्होंने देखा जंगल में छिपे उन के साथी उन को ऐसे भागते देख उन पर जोरजोर से हंस रहे हैं. ●

उत्तर पृष्ठ :

पृष्ठ 17 : रास्ता बताओ :

पृष्ठ 20 : अनामिका और कृपा की मदद करें :

पृष्ठ 25 : सुलझाएं :

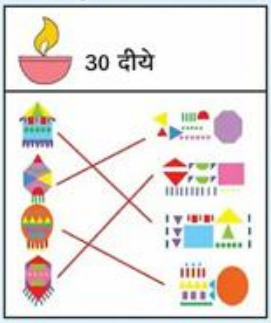

पृष्ठ 39 : कौन सी रंगोली किस की :

आर्यन की रंगोली - A
मीरा की रंगोली - C
मानसी की रंगोली - B और C
चेतन की रंगोली - D

FOR THE FIRST TIME, A COLLECTION OF 72 HANDPICKED STORIES

CHAMPAK IN ASSOCIATION WITH RUPA

HELP CHILDREN BE THEIR BEST SELVES, ONE STORY AT A TIME!

GET YOUR COPY NOW!

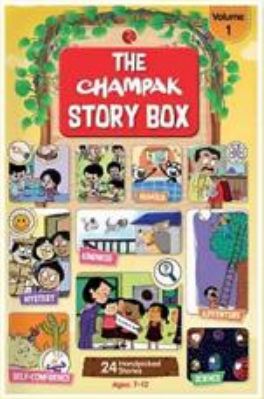

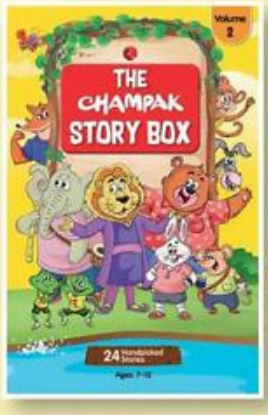

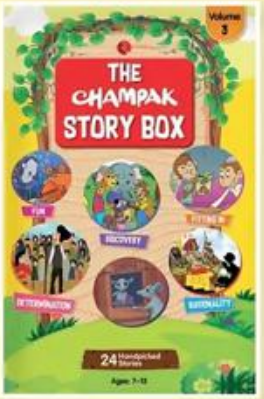

AGES: 7-12

AVAILABLE ON CHAMPAK.IN

& ALL LEADING BOOKSTORES ACROSS THE COUNTRY.

To subscribe: Call/SMS/WhatsApp: 8588843408 | Toll Free Number: 1800 103 880

visit www.champak.in/subscribe | email: subscription@delhipress.in

T&C apply

(REGISTERED) RNI 16429/68 DL(C)-14/1093/2021-23 WPP U(C)148/40/2021-23 P.O. SRT Nagar, ND-65 Posting Dt. 02 to 08 Published on 26/10/2021. Pgs. 52

PARLE
PLATINA

HIDE & SEEK
CHOCO CHIP
Creme Sandwiches

BISCUITS